▪ RNI No. 58061/93 ▪ वर्ष - 21 ▪ अंक - 156 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » मंगलवार » 30-12-2025 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 कांग्रेस दो खेमों में बंट गई है, अब प्रियंका बनाम राहुल गुट हैं : भाजपा

6 नये वर्ष में अनुत्तरित सवालों के जवाबों की तलाश

7 यश की फिल्म में एलिजाबेथ बनकर छाईं हुमा कुरैशी

फर्स्ट टेक

बेंगलूरु में कन्नड़ टीवी अभिनेत्री ने की आत्महत्या

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक की राजधानी बेंगलूरु में कन्नड़ टेलीविजन की 26 वर्षीय अभिनेत्री ने सोमवार को यहां अपने किराये के मकान में कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक मृतका की पहचान नंदिनी सी एम के रूप में हुई है। यह घटना केंगेरी क्षेत्र में घटी। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने घटनास्थल से बरामद एक सुसाइड नोट का हवाला देते हुए कहा कि अभिनेत्री ने उल्लेख किया था कि वह अवसाद और व्यक्तिगत समस्याओं से जूझ रही थीं। उस नोट में अभिनेत्री ने कथित तौर पर कहा था कि वह शादी नहीं करना चाहतीं और न ही सरकारी नौकरी करना चाहती हैं, बल्कि अपने अभिनय करियर को जारी रखना चाहती हैं। जबकि उनका परिवार चाहता था कि वह 'घर बसा लें'। पुलिस अधिकारी ने बताया कि सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने उसे खिड़की की ग्रिल से बंधे फंदे से लटका पाया। पुलिस ने बताया कि इस संबंध में अप्राकृतिक मौत का मामला दर्ज किया गया है और अभी तक किसी भी प्रकार की साजिश का संदेह नहीं है।

यूक्रेन के 90 ड्रोन ने पुतिन के स्थायी आवास पर हमला करने का प्रयास किया : रूस

मॉस्को/भाषा। रूस ने सोमवार को दावा किया कि लंबी दूरी के 91 यूक्रेनी ड्रोन ने मॉस्को के उत्तर में नोवगोरोड क्षेत्र में राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के स्थायी आवास पर हमला करने का प्रयास किया। विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने एक टेलीविजन बयान में कहा कि रविवार और सोमवार की दरमियानी रात को हुए ड्रोन हमले में कोई नुकसान नहीं हुआ क्योंकि ड्रोन को मार गिराया गया था। हालांकि, उन्होंने चेतावनी दी कि रूस उचित समय पर जवाबी कार्रवाई करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

ईरान: मुद्रा रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंची

तेहरान/एपी। ईरानी मुद्रा रियाल के अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंचने के बाद राजधानी तेहरान में व्यापारियों और दुकानदारों ने सोमवार को लगातार दूसरे दिन भी विरोध-प्रदर्शन किया। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में तेहरान में सादी स्ट्रीट और ग्रैंड बाजार के पास स्थित शुश इलाके में आयोजित रैलियों में सैकड़ों लोगों को हिस्सा लेते देखा जा सकता है। चश्मदीदों के मुताबिक, प्रदर्शन में शामिल व्यापारियों ने अपनी दुकानें बंद कर दीं और अन्य से अभी ऐसा करने को कहा।

सूर्यास्त 30-12-2025	सूर्योदय 31-12-2025
6:03 बजे	6:41 बजे

BSE	NSE
84,695.54	25,942.10
(-345.91)	(-100.20)

सोना	चांदी
14,664 रु.	254,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

विकसित भारत के लिए अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देना महत्वपूर्ण : राष्ट्रपति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जमशेदपुर (झारखंड)/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को कहा कि 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अनुसंधान, नवाचार और स्टार्टअप संस्कृति को बढ़ावा देना महत्वपूर्ण है।

मुर्मू ने यहां राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) के 15वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि भारत ने 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य रखा है और इस उद्देश्य को प्राप्त करने में युवाओं की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। उन्होंने कहा कि भारत सरकार अनुसंधान, नवाचार और स्टार्टअप संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए कई योजनाएं चला रही है। उन्होंने कहा, विकसित भारत का सपना केवल ऊंची इमारतों के निर्माण या एक शक्तिशाली अर्थव्यवस्था से पूरा नहीं होगा, बल्कि एक ऐसे समाज के निर्माण से पूरा होगा, जिसमें समाज के सबसे निचले पायदान पर खड़े व्यक्ति को भी समान अवसर और गरिमापूर्ण जीवन जीने की सुविधा प्राप्त हो।

इस वर्ष विभिन्न विषयों में कुल 1,112 छात्रों को डिग्री प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त, उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धि के लिए एक डी-लिट, एक मानद पीएचडी, दो स्वर्ण और 16 रजत पदक भी प्रदान किए गए। इस अवसर पर राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार भी उपस्थित थे।

मुर्मू ने कहा कि एनआईटी जैसे संस्थानों में शिक्षित इंजीनियर को राष्ट्र निर्माता की भूमिका निभानी चाहिए, जो तकनीकी विकास को मानव कल्याण का साधन बनाएं।

कांग्रेस बांग्लादेशी घुसपैठियों को मानती है अपना वोटबैंक : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बोरदुवा (असम)/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस असम के लोगों, उनकी संस्कृति, भूमि और पहचान के लिए खतरा पैदा करने वाले बांग्लादेशी घुसपैठियों को अपना वोट बैंक मान रही है। शाह ने यहां एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र न केवल असम, बल्कि पूरे भारत में पड़ोसी देश से आए सभी अवैध प्रवासियों की पहचान करेगा। उन्होंने यह भी दावा किया कि 1983 में अवैध प्रवासी (न्यायाधिकरण द्वारा निर्धारण) (आईएमडीटी) अधिनियम के लागू होने से घुसपैठियों को कानूनी संरक्षण प्राप्त हुआ।

बाद में उच्चतम न्यायालय ने इस कानून को निरस्त कर दिया था।

गृहमंत्री ने कहा, '' मैं बतद्रवा की पवित्र भूमि से असम की जनता को आश्वस्त करता हूं कि भाजपा सरकार सभी बांग्लादेशी घुसपैठियों की पहचान कर उन्हें वापस भेजेगी।'' उन्होंने आरोप लगाया कि घुसपैठियों के प्रभाव में राज्य के लोगों की सांस्कृतिक पहचान धीरे-धीरे कमजोर हो रही है। उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने न केवल असमिया लोगों की सांस्कृतिक पहचान की सुरक्षा सुनिश्चित की है, बल्कि राज्य के सर्वांगीण विकास पर भी ध्यान दिया है।''

शाह ने कहा, कांग्रेस सरकार इतने लंबे समय तक सत्ता में रही, लेकिन उसने घुसपैठ के खिलाफ असम आंदोलन के शहीदों की याद में कुछ नहीं किया। केंद्र और राज्य की भाजपा सरकारों के प्रयासों के कारण ही इस महीने राष्ट्र को इतना भव्य स्मारक समर्पित किया गया है।

गृह मंत्री ने गुवाहाटी के 'शहीद स्मारक क्षेत्र' में अवैध अप्रवासियों के खिलाफ असम आंदोलन के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि राज्य में भाजपा के पिछले दस वर्षों के शासन को 'स्वर्ण युग' माना जाएगा। उन्होंने कहा, ''नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री बनने के बाद से पिछले 11 वर्षों में पूर्वोत्तर में 80 बार और असम में 36 बार आ चुके हैं।''

अरावली पहाड़ियों की परिभाषा:

न्यायालय ने 20 नवंबर के निर्देश स्थगित रखने का आदेश दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

▪ **अरावली क्षेत्र की पारिस्थितिकी अखंडता को कमजोर करने वाली किसी भी नियामकीय खामी को रोकने के लिए 'आगे की पड़ताल की सख्त जरूरत है'।**

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने अपने 20 नवंबर के फैसले में दिए गए उन निर्देशों को सोमवार को स्थगित रखने का आदेश दिया, जिसमें अरावली पहाड़ियों और पर्वतमाला की एक समान परिभाषा को स्वीकार किया गया था।

इसने कहा कि कुछ ''महत्वपूर्ण अस्पष्टताओं'' को दूर करने की आवश्यकता है, जिनमें यह भी शामिल है कि क्या 100 मीटर की ऊंचाई और पहाड़ियों के बीच 500 मीटर का अंतर पर्यावरण संरक्षण के दायरे के एक महत्वपूर्ण हिस्से को कम कर देगा।

भारत के प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत तथा न्यायमूर्ति जे.के. माहेश्वरी और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की अवकाशकालीन पीठ ने इस मुद्दे की व्यापक और समग्र समीक्षा के लिए इस क्षेत्र के विशेषज्ञों को शामिल कर एक उच्चस्तरीय समिति गठित करने का प्रस्ताव रखा।

पीठ ने कहा कि प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि समिति की पिछली रिपोर्ट और फैसले में ''कुछ महत्वपूर्ण मुद्दों को स्पष्ट रूप से स्पष्ट करने में चूक हुई है'' और अरावली क्षेत्र की पारिस्थितिकी अखंडता को कमजोर करने वाली किसी भी नियामकीय खामी को रोकने के लिए ''आगे की पड़ताल की सख्त जरूरत है''।

इसने यह भी निर्देश दिया कि 9 मई, 2024 के आदेश के अनुसार, अगले आदेश तक, 25 अगस्त, 2010 की एफएसआई रिपोर्ट में परिभाषित 'अरावली पहाड़ियों और पर्वतमाला' में खनन के लिए इसकी पूर्व अनुमति के बिना कोई अनुमति नहीं दी जाएगी।

पीठ ने कहा, ''पर्यावरणविदों में काफी आक्रोश देखने को मिला है, जिन्होंने नई स्वीकार की गई परिभाषा और इस न्यायालय के निर्देशों की गलत व्याख्या और अनुचित कार्यान्वयन की संभावना पर गहरी चिंता व्यक्त की है।''

इसने कहा कि यह सार्वजनिक असहमति और आलोचना अदालत द्वारा जारी किए गए कुछ शब्दों और निर्देशों में कथित अस्पष्टता और स्पष्टता की कमी से उत्पन्न होती प्रतीत होती है।

भाजपा विधायक शरणु सालागर के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज

बीदर (कर्नाटक)/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक शरणु सालागर के खिलाफ 99 लाख रुपए का चेक 'बाउंस' होने की शिकायत के संबंध में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। भाजपा विधायक पर 2023 के विधानसभा चुनाव के दौरान लिए गए ऋण को वापस नहीं करने करने का आरोप है। पुलिस ने बताया कि विधायक और शिकायतकर्ता आपस में रिश्तेदार बताए जा रहे हैं। विधायक ने चुनाव संबंधी खर्चों के लिए अपने रिश्तेदार से आर्थिक मदद ली थी और यह राशि उन्हें जनवरी से फरवरी 2023 के बीच कई किस्तों में मिली थी। विधायक ने अपने रिश्तेदार को छह महीने के भीतर सारी रकम लौटाने का आश्वासन दिया था। प्राथमिकी में कहा गया कि शिकायतकर्ता ने दो साल तक इंतजार किया लेकिन बार-बार याद दिलाने के बावजूद जब विधायक ने उधार ली गई राशि नहीं लौटाई तो 14 सितंबर 2025 को एक बैठक बुलाई गई, जिसमें विधायक ने देनदारी स्वीकार की और 99 लाख रुपए का चेक दिया।

सम्मान

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन सोमवार को तमिलनाडु के तिरुप्पुर में आयोजित 'वेल्लुम तमिलपेंगल' पश्चिम क्षेत्र महिला सम्मेलन के दौरान महिला विंग के सदस्यों द्वारा सम्मानित किए जाते हुए।

यूक्रेन-रूस शांति समझौते के 'पहले से कहीं अधिक करीब' हैं : ट्रंप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पाम बीच (अमेरिका)/एपी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को कहा कि यूक्रेन और रूस शांति समझौते के ''पहले से कहीं अधिक करीब'' हैं।

ट्रंप ने फ्लोरिडा स्थित अपने रिजॉर्ट में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की की मेजबानी करते हुए यह बयान दिया लेकिन उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि वार्ताएं जटिल हैं और इनके विफल होने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता जिससे युद्ध वर्षों तक खिंच सकता है।

ट्रंप ने ये बयान दोनों नेताओं की बातचीत के बाद दिए।

ट्रंप ने कहा कि इससे पहले रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से उनकी फोन पर ढाई घंटे ''बहुत अच्छी'' बातचीत हुई।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि उन्हें लगता है कि पुतिन अब भी शांति चाहते हैं। हालांकि जेलेंस्की के वार्ता के लिए अमेरिका रवाना होने के बीच रूस ने यूक्रेन पर फिर हमले किए।

ट्रंप और जेलेंस्की ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि कई जटिल मुद्दे अब भी बाकी हैं जिनमें यह प्रश्न भी शामिल है कि रूस के कब्जे वाले यूक्रेनी क्षेत्रों का क्या होगा और यूक्रेन के लिए ऐसे सुरक्षा आश्वासन कैसे सुनिश्चित किए जाएं कि भविष्य में उस पर फिर हमला न हो।

इस बातचीत के बाद दोनों नेताओं ने यूरोप के कई नेताओं से भी फोन पर बात की जिनमें यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन के साथ-साथ फिनलैंड, फ्रांस, जर्मनी, ब्रिटेन और पोलैंड के नेता शामिल थे।

जेलेंस्की ने कहा कि ट्रंप जनवरी में यूरोपीय नेताओं की एक और बैठक की मेजबानी पर सहमत हुए हैं जो संभवतः व्हाइट हाउस (अमेरिका के राष्ट्रपति का आधिकारिक आवास एवं कार्यालय) में होगी। ट्रंप ने कहा कि बैठक वाशिंगटन में या ''कहीं और'' भी हो सकती है।

जेलेंस्की ने ट्रंप के प्रयासों के लिए उन्हें धन्यवाद देते हुए कहा, ''यूक्रेन शांति के लिए तैयार है।''

कर्नाटक: कांग्रेस विधायक ने किया दावा,

जनवरी के पहले सप्ताह में मुख्यमंत्री बन जाएंगे शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रामनगर (कर्नाटक)/भाषा। कांग्रेस के विधायक इकबाल हुसैन ने सोमवार को एक बार फिर दावा कि उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार जनवरी की शुरुआत में राज्य के मुख्यमंत्री बन जाएंगे।

शिवकुमार समर्थक रामनगर के विधायक हुसैन ने इससे पहले दावा किया था कि छह से नौ जनवरी के बीच मुख्यमंत्री बदल जाएगा। राज्य में मुख्यमंत्री बदलने की अटकलों के बीच सत्तारूढ़ पार्टी में सत्ता संघर्ष तेज हो गया है। ये अटकलें 20 नवंबर को राज्य में कांग्रेस के कार्यकाल के ढाई साल पूरे होने के बाद शुरू हुई थीं।

साल 2023 में सिद्धरमैया और शिवकुमार के बीच सत्ता साझा करने को लेकर समझौता होने की वजह से इन अटकलों को हवा मिली।

इकबाल हुसैन ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, कुछ लोग बारिश और आपदाओं की सटीक भविष्यवाणी कर सकते हैं। ऐसे लोगों से सुनकर ही मैंने छह या नौ जनवरी की तारीखें बताई हैं। देखते हैं, मुझे ईश्वर पर भरोसा है। उन्होंने कहा कि शिवकुमार को छह या नौ जनवरी को 200 प्रतिशत सत्ता मिल जाएगी।

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

उसे सबकी खबर

सबद कीर्तन अजां आरती,
अपने मन से चुनता है।
माया के इस मकड़जाल को,
निज हाथों से बुनता है।
क्यों इस शोर शराबे में तू,
अपने सिर को धुनता है।
चींटी के पैरों की आहट,
को भी मालिक सुनता है।।

विरोध प्रदर्शन

पुलिसकर्मी सोमवार को चेन्नई के एझिलागम में 'समान काम के लिए समान वेतन' की मांग को लेकर चौथे दिन भी जारी विरोध प्रदर्शन के दौरान कामराजर सलाई को अवरुद्ध करने पर सेकेंडरी ग्रेड सीनियरिटी टीचर्स एसोसिएशन के एक सदस्य को हिरासत में लेते हुए।

उत्तर कोरिया ने किया लंबी दूरी की क्रूज मिसाइलों का परीक्षण

सियोल/एपी। उत्तर कोरिया ने सोमवार को कहा कि उसने लंबी दूरी की क्रूज मिसाइलों का परीक्षण किया है। रविवार को किया गया यह परीक्षण अगले साल की शुरुआत में होने वाले सत्तारूढ़ 'वर्कर्स पार्टी' के अधिवेशन से पहले उत्तर कोरिया का नवीनतम शक्ति प्रदर्शन है। पांच साल में एक बार होने वाले इस सम्मेलन पर दुनिया की नजरें टिकी हैं, जहां उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन अमेरिका के साथ संबंधों को लेकर अपनी नई प्राथमिकताओं को स्पष्ट कर सकते हैं।

ललित मोदी ने 'सबसे बड़े भगोड़े' वाली टिप्पणी के लिए माफी मांगी

लंदन/भाषा। वित्तीय फर्जीवाड़े में वांछित आईपीएल संस्थापक ललित मोदी ने सोमवार को सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में खुद को और विजय माल्या को भारत के ''दो सबसे बड़े भगोड़े'' कहने के लिए माफी मांगी और कहा कि उनके बयान को ''गलत समझा गया।

लंदन में माल्या के 70वें जन्मदिन के समारोह के एक वीडियो में, जिसे अब हटा दिया गया है, ललित मोदी ने मजाक में दोनों को भारत के दो सबसे बड़े भगोड़े बताया था।

माफी मांगते हुए ललित मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, अगर मैंने किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाई है, खासकर भारत सरकार की, जिसके प्रति मेरे मन में सर्वोच्च सम्मान और आदर है, तो मैं माफी मांगता हूं। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के संस्थापक कमिश्नर ललित मोदी ने कहा, बयान को गलत समझा गया और ऐसा कोई इरादा नहीं था, जैसा कहा गया। भारत द्वारा ललित मोदी और माल्या सहित अन्य भगोड़ों को विदेश से वापस लाकर देश में कानून का सामना कराने की प्रतिबद्धता जताने के कुछ दिनों बाद यह माफी आई है।

मानव सेवा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

स्थानीय मेवाड़ जैन बीसा ओसवाल संघ कर्नाटक की युवा शाखा द्वारा 66 वें मासिक मानव सेवा कार्यक्रम के अंतर्गत रविवार को वीवी पुरम स्थित आसक्त पोशाका सभा में युवा अध्यक्ष प्रकाश बाबेल की अध्यक्षता में वृद्धाश्रम के असहाय वृद्ध लोगों को प्रातकालीन नाश्ता एवं दैनिक उपयोग में आने वाली चीजें, राशन आदि का वितरण किया गया। प्रायोजक पीरचंद, लक्ष्मीलाल ओस्तवाल परिवार का सम्मान किया गया। युवा मंत्री मनीष टुकलिया ने गतिविधियों की जानकारी दी। मानव सेवा प्रभारी दिलीप हिरण सहित अनेक सदस्यों ने मानवसेवा में सहयोग किया।

राजेन्द्र गुरु सप्तमी पर आयोजित पदयात्रा में शामिल हुए अनेक गुरुभक्त

बेंगलूरु//दक्षिण भारत। अखिल भारतीय राजेंद्र जैन नवयुवक परिषद द्वारा गुरु भक्तों के सहयोग से रविवार को दादा गुरुदेव राजेन्द्रसूरीस्वरजी के जन्म-स्वर्गारोहण दिवस के उपलक्ष्य में साध्वी मोक्षमालाजी की निश्रा में हुब्बल्ली के कुबसद गली गुरु मंदिर से शांतिनाथ जिनालय, पार्श्व पदमालायम तीर्थ आदि के दर्शन कर बुडरसिंघि के राजेन्द्र विहार तक 7 किलोमीटर की पदयात्रा का आयोजन किया गया।

तीर्थ के सचिव शांतिलाल बागरेचा परिवार ने सभी श्रद्धालुओं का स्वागत किया। सभी गुरु भक्तों ने राजेंद्र विहार में 14 फिट ऊंची एवं 4 टन वजनी गुरुदेव की खड़ी मूर्ति के दर्शन किए। मंच संचालन नीलेश जैन ने किया। संजय सेठ ने पारस पावन तीर्थ के बारे में जानकारी दी। परिषद के अध्यक्ष शैलेष जैन ने सभी पदयात्रियों को धन्यवाद दिया।

आमंत्रण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

राजस्थान संघ कर्नाटक ट्रस्ट के तत्वावधान में नूतन वर्ष पर 1 जनवरी को आयोजित 'हल्दी गोठ' गेट-टुगेदर के लिए संघ के अध्यक्ष कैलाश संखलेचा व अन्य सदस्यों ने कर्नाटक के आईजीपी एन. सतीशकुमार, डीजीपी पी. हरिसेखरन से मुलाकात कर कार्यक्रम में आमंत्रित किया। इस अवसर पर जिनेश मेहता, रमेश भंडारी, मनोज बाफना, भोपाल सोनवाड़िया, रामलाल गन्ना, मुकेश पारलेचा, चेतन भंडारी आदि उपस्थित थे।

ग्रैंड आरपीसीएल-6 दुधेड़िया कप के दूसरे सप्ताह के लीग मुकाबले सम्पन्न

परिषद सदस्यों ने दिव्यांग बच्चों के लिए खेल गतिविधि की व उपहार दिए

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। राजस्थान परिषद के तत्वावधान में मैसूर रोड स्थित गुरुकुल ग्राउंड पर ग्रैंड 'आरपीसीएल-6 दुधेड़िया कप' के दूसरे सप्ताह के लीग मुकाबले में परिषद् के अध्यक्ष संजय बैद ने सभी टीमों, खिलाड़ियों, प्रायोजकों एवं खेलप्रेमियों का स्वागत किया। आरपीसीएल चेयरमैन सूरज चिंडालिया और मार्गदर्शक सुनील सुराणा ने जानकारी दी। लीग मुकाबले में पहला मैच चूरू सुपर किंग्स का मुकाबला सरदारशहर कुबेर टीम से हुआ जिसमें चूरू सुपर किंग्स ने यह मुकाबला 9 रन से जीत लिया। दूसरे मुकाबले में कर्मा वॉरियर्स चाडवास व बिदासर रजवाड़ा वॉरियर्स टीम के बीच हुआ जिसमें कर्मा वॉरियर्स चाडवास ने यह मुकाबला 30 रन से जीता।

तीसरे मुकाबले में माइटी सुजानगढ़ टीम का मुकाबला गंगाशहर टाइटंस की टीम के साथ हुआ जिसमें माइटी सुजानगढ़ टीम ने यह मुकाबला 2 रन से जीता। चौथे मुकाबले में राजलदेसर अडोर किंग्स व लाडनूं वॉरियर्स के मुकाबले में लाडनूं वॉरियस टीम ने 108 रन बनाकर मुकाबला 8 विकेट से जीत लिया। ङ्गकार्यक्रम के अंतर्गत राजस्थान परिषद द्वारा सामाजिक दायित्व का निर्वहन करते हुए विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को खेल मैदान में आमंत्रित किया गया। उनके लिए विशेष रूप से कुछ खेल गतिविधियों का आयोजन किया गया तथा परिषद की ओर से उन्हें उपयोगी उपहार भी प्रदान किए गए। कार्यक्रम के दौरान मुनिश्री आदित्य कुमार जी व साध्वी श्री मार्दवश्रीजी ने मैदान पर पधार कर सभी को शारीरिक विकास के साथ आध्यात्मिक विकास करने की प्रेरणा दी।

धार्मिक यात्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के ओम शक्ति देवस्थान मागड़ी रोड के विद्यारण्यनगर चोलूरपाल्या में विशेष पूजा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने देवी मां के दर्शन कर आशीर्वाद लिया एवं 25 से भी ज्यादा महिला श्रद्धालुओं के जत्थे को ओम शक्ति देवस्थान तमिलनाडु की यात्रा के लिए हिंदू ध्वज लहराकर रवाना किया एवं उन्हें शुभकामनाएं दी। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।

जहां सरलता हो वहीं धर्म का वास होता है : साध्वी शीतलगुणा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के फ्रेजर टाउन में विराजित साध्वी भव्यगुणाजी ने कहा कि कल्पवृक्ष की छाया में बैठा व्यक्ति जैसी इच्छा हो वैसे ही फल की प्राप्ति करता है। इसी तरह हमारा जीवन भी एक कल्पवृक्ष के समान है जिसमें मोह, माया, राग, द्वेष रखने पर दुर्गति की प्राप्ति और करुणा, प्रेम, सद्भाव रखने पर आत्मीय सुख की प्राप्ति होगी। साध्वी शीतलगुणाजी ने कहा कि हम अपने जीवन को कैसा बनाना है यह हमें स्वयं तय करना होता है। शरीर में असाता होने पर कर्म निर्जरा का अवसर मिलता है। जीवात्मा को कर्मो का फल भोगे बिना छुटकारा नहीं मिलने वाला है। समभाव रखते हुए कर्म निर्जरा कर हल्का हो सकते है। परमात्मा महावीर ने हमें प्रेम, करुणा, वात्सल्य, स्नेह व अपनत्व का रास्ता दिखाया है। जो व्यक्ति अंहकारी होता है ओर राग, द्वेष, लोभ, माया जैसे कषायों से मुक्त नहीं हो पाता उसके जीवन का कल्याण नहीं हो सकता। अहंकार नहीं छोड़ने वाला विनाश के पथ पर कदम बढ़ाता है। उन्होंने कहा कि आत्मा का कल्याण चाहते है तो मैं को छोड हम पर आना होगा। जहां सरलता हो वहीं धर्म का वास होता है। जीवन में सरलता अहंकार का त्याग करने पर ही आती है। धर्म हमेशा निर्मल व शुद्ध हृदय में निवास करता है। हमारा मन शुद्ध व निर्ग्रन्थ होगा तो परमात्मा का वास उसमें हो सकेगा। निर्ग्रन्थ वहीं हो सकता जो किसी प्रकार की गांठ बांधकर नहीं रखता ओर सहज व सरल जीवन जीता है। हमें परमात्मा की शरण में जाने की भावना हमेशा रखनी चाहिए। जब हमारी निष्ठा डांवाडोल होती है तो परमात्मा की प्राप्ति भी नहीं हो पाती। हम जीवन में कैसा भी समय आए परमात्मा के प्रति हमेशा निष्ठावान समर्पित बने रहे। उन्नति के लिए, निर्माण के लिए सरलता आवश्यक है। सरलता के अभाव में उन्नति नहीं हो सकती, जीवन का निर्माण भी नहीं हो सकता।

गुरु आरती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के मामुलपेट स्थित सिमंधरस्वामी राजेन्द्रसूरी जैन श्वेताम्बर मंदिर के तत्वावधान में रविवार को आचार्यश्री राजेन्द्रसूरीश्वरजी की 199वीं जयंती व 119वीं पुण्यतिथि मनाई गई। इस मौके पर राजेन्द्रसूरी की प्रतिमा पर श्रद्धालुओं ने पक्षाल पूजा व अष्टप्रकारी पूजा की। गुरु सप्तमी के मौके पर रमेशचन्द पवनचन्द भंडारी परिवार ने महाआरती का लाभ लिया। भजन गायक पूजा लुणिया व दिनेश बाफना आदि ने भजनों की प्रस्तुति दी। इस मौके पर मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष धीरज भंडारी सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

अरावली की नई परिभाषा की वकालत करने वाले भूपेंद्र यादव तत्काल इस्तीफा दें : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने अरावली पर्वतमाला की पुनर्परिभाषा से जुड़े मामले पर उच्चतम न्यायालय के आदेश का स्वागत करते हुए सोमवार को कहा कि अब पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव को तत्काल इस्तीफा देना चाहिए जो नई परिभाषा की बार-बार वकालत कर रहे थे।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने 'पीटीआई-भाषा' के साथ बातचीत में यह आरोप भी लगाया कि मोदी सरकार अरावली को बचाने का नहीं, बेचने का प्रयास का रही है। रमेश ने कहा, ''कांग्रेस उच्चतम न्यायालय के आदेश का स्वागत करती है। मोदी सरकार द्वारा जिस तरह से परिभाषा बदलने की कोशिश की गई थी, उसका मकसद सिर्फ खनन की गतिविधियों, रियल स्टेट को बढ़ावा देना था। अरावली को पहले ही बहुत नुकसान हो चुका है, उसे और भी मुसीबत में डालने के लिए नई परिभाषा तय की गई।''

उनका कहना था, ''इस परिभाषा का विरोध सबने किया, भारतीय वन सर्वेक्षण ने विरोध किया, उच्चतम न्यायालय की समिति ने विरोध किया, न्याय मित्र ने विरोध किया। इसके बावजूद मोदी सरकार ने बुलडोजर चलाया और नई परिभाषा निकाली।''

रमेश ने कहा, ''उच्चतम न्यायालय ने अपने पहले के आदेश को स्थगित किया और कहा कि एक उच्च स्तरीय समिति का गठन होगा। हम इसका स्वागत करते हैं।'' उन्होंने यह भी कहा, ''हम मांग करते हैं कि पर्यावरण मंत्री को तत्काल इस्तीफा देना चाहिए जो इस नई परिभाषा की बार-बार वकाल कर रहे थे।''

बैंकों का बीते वित्त वर्ष मजबूत प्रदर्शन, सकल एनपीए कई दशकों के न्यूनतम स्तर पर : आरबीआई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। वाणिज्यिक बैंकों का प्रदर्शन वित्त वर्ष 2024-25 में मजबूत बना रहा और मार्च के अंत तक सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों (जीएनपीए) का अनुपात घटकर 2.2 प्रतिशत पर आ गया। यह कई दशकों का न्यूनतम स्तर है। भारतीय रिजर्व बैंक ने सोमवार को जारी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी। 'भारत में बैंकिंग की प्रवृत्ति और प्रगति 2024-25' शीर्षक वाली रिपोर्ट में कहा गया कि 2024-25 के दौरान बैंकिंग क्षेत्र अच्छा बना रहा, जिसे मजबूत बहीखाते, लगातार लाभप्रदता और बेहतर परिसंपत्ति गुणवत्ता का समर्थन मिला।

बैंक ऋण और जमा वृद्धि दहाई अंकों में बनी रही, हालांकि इसमें कुछ नरमी देखी गई। सभी बैंक समूहों में पूंजी और नकदी बफर नियामकीय आवश्यकताओं से काफी ऊपर बने रहे। रिपोर्ट में कहा गया, ''बैंकिंग क्षेत्र के मजबूत बुनियाद जोखिमों के खिलाफ एक सुरक्षा कवच प्रदान करते हैं, जो विवेकपूर्ण विनियमन के साथ मिलकर लगातार ऋण प्रवाह के लिए अनुकूल परिस्थितियां बनाते हैं।''

गुरु ज्येष्ठ पुष्कर जैन चेरिटेबल ट्रस्ट की वार्षिक साधारण सभा सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गुरु ज्येष्ठ पुष्कर जैन आराधना केन्द्र में गुरु ज्येष्ठ पुष्कर जैन चेरिटेबल ट्रस्ट की वार्षिक साधारण सभा रविवार को सम्पन्न हुई। अध्यक्ष नेमीचंद सालेचा एवं महामंत्री महावीरचंद मेहता ने सभी उपस्थित ट्रस्टियों का स्वागत किया।

पदाधिकारियों ने कहा कि आराधना भवन के उद्घाटन कार्यक्रम में गुरुदेव श्री नरेशमुनिजी सहित अनेक साधु साध्वियों की उपस्थिति गौरव का विषय है। महावीर मेहता ने बताया कि पुष्कर आराधना केन्द्र में संचालित भोजनशाला में निशुल्क भोजन व टिफिन की व्यवस्था उपलब्ध है। बैठक में आगामी वर्षों में भी चातुर्मास आयोजन कराने की योजना पर विचार किया गया। कोषाध्यक्ष सुरेन्द्र गुलेछा ने वर्ष 2024-25 एवं चातुर्मास का आय-व्यय विवरण प्रस्तुत किया। उपाध्यक्ष अशोक रांका ने भवन के सार्वजनिक उपयोग हेतु किराया आदि से संबंधित तय किए गए निर्णयों की जानकारी दी। पुखराज मेहता, जयंतीलाल सालेचा, माणक सालेचा ने भी विचार व्यक्त किए। बैठक में अनेक ट्रस्टी व सदस्य उपस्थित थे। अंत में विनोद भुरट ने सभी को धन्यवाद दिया।

गुजरात के नारोली नगर में हुआ ध्वजारोहण एवं गुरु सप्तमी का दो दिवसीय आयोजन

आयोजन में बड़ी संख्या में उमड़े गुरु भक्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नारोली। गुजरात राज्य के नारोली नगर में सौधर्म बृहत्तपागच्छीय आचार्य जयन्तसेनसूरीश्वरजी के शिष्य एवं गच्छाधिपति आचार्यश्री नित्यसेनसूरीश्वरजी एवं आचार्यश्री जयरत्नसूरीश्वरजी के आज्ञानुवर्ती व नारोली नगर के कुल दीपक मुनिश्री चारित्ररत्नविजयजी व अजितसेनविजयजी की निश्रा में श्रेयांसनाथ जिनालय का ध्वजारोहण एवं सौधर्म बृहत्तपागच्छीय त्रिस्तुतिक जैनाचार्य गुरुदेवश्री राजेन्द्रसूरीजी की 199 वीं जन्म एवं 119 वीं पुण्यतिथि प्रसंगे गुरु सप्तमी का दो दिवसीय आयोजन हुआ। नारोली नगर में आयोजित इस वर्ष की जिनालय की वर्षगांठ एवं गुरु सप्तमी आयोजन का लाभ मोहनलाल दलछाचंदभाई वोहरा परिवार ने लिया।

कार्यक्रम के पहले दिन मुनि भगवंतो का नगर प्रवेश हुआ उसके बाद धर्म सभा एवं ध्वजारोहण का कार्यक्रम हुआ। जिनालय पर ध्वजारोहण ध्वजा के लाभार्थी कोरड़िया डायालाल रामचंदभाई परिवार द्वारा विधि विधान से संपन्न हुआ। महोत्सव के दोनों दिन जिनालय में महापूजा एवं अंगरचना नारोली श्रीसंघ के नवयुवकों ने व्यवस्था संभाली। महोत्सव के दूसरे दिन गुरु सप्तमी का आयोजन हुआ जिसमें सुबह में गुरुदेव राजेन्द्रसूरि महाराजा के पांच अभिषेक आदि हुए, दोपहर में राजेन्द्रसूरी अष्टप्रकारी पूजन एवं गुणानुवाद सभा आदि कार्यक्रम हुए। कार्यक्रम में महंत अंकितपुरीजी, वाव थराद जिला पुलिस अधीक्षक चिन्तन अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों व महोत्सव आयोजक जासुदबेन मोहनलाल दलछाचंद परिवार का सम्मान किया। इस प्रसंग पर नारोली त्रिस्तुतिक जैन संघ के वयोवृद्ध 102 वर्षीय मणीबेन भुदरमल वोहरा का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में त्रिस्तुतिक जैन संघ नारोली एवं अखिल भारतीय राजेन्द्र जैन नवयुवक परिषद शाखा नारोली का विशेष सहयोग रहा। पूर्णाहुति पर आयोजक परिवार के चंद्रकांतभ वोहरा ने सभी को धन्यवाद दिया।

नवी मुंबई पुलिस ने अवैध विदेशी भर्ती एजेंसी का भंडाफोड़ किया; सात पर मामला दर्ज

ठाणे/भाषा। नवी मुंबई पुलिस ने एक अवैध भर्ती एजेंसी का भंडाफोड़ किया है, जो कथित तौर पर लोगों को विदेशों में नौकरी का वादा करके धोखा देने में शामिल थी। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि नवी मुंबई अपराध शाखा और वाशी पुलिस ने शनिवार को गुडविल ग्लोबल कंसल्टेंसी के कार्यालय पर छापा मारा, जो विदेश मंत्रालय से अनुमति लिए बिना संचालित हो रहा था। उन्होंने कहा कि विदेश मंत्रालय (प्रवासी संरक्षक), मुंबई के एक सहायक अनुभाग अधिकारी की शिकायत के आधार पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 318 (धोखाधड़ी) व उत्प्रवास अधिनियम के प्रासंगिक प्रावधानों के तहत सात व्यक्तियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी। अधिकारी ने बताया कि जांच में पता चला है कि आरोपी विदेश मंत्रालय से वैध लाइसेंस के बिना विदेशी नौकरियों के लिए भर्ती गतिविधियां चला रहे थे।

वेणुगोपाल का प्रधानमंत्री को पत्र, ईसाई विरोधी हिंसा पर निर्णायक कार्रवाई का आग्रह

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर ईसाई समुदाय के खिलाफ हिंसा की हालिया घटनाओं पर चिंता जताई और आग्रह किया कि सरकार निर्णायक कार्रवाई करे ताकि ऐसी घटनाएं भविष्य में न हों। उन्होंने यह दावा भी किया कि ऐसे विषय पर प्रधानमंत्री और सरकार की ''चुप्पी'' नफरत फैलाने वालों को प्रोत्साहित करती है।

वेणुगोपाल ने पत्र में कहा, ''मैं भारत के ईसाई अल्पसंख्यक समुदाय के विरुद्ध बढ़ती हिंसा और डराने-धमकाने की घटनाओं को लेकर गहन व्यथा और चिंता के साथ आपको लिख रहा हूं। यह हमारे लोकतंत्र की बुनियाद-धार्मिक स्वतंत्रता, समानता और गरिमाको दिए जा रहे संवैधानिक आश्वासनों पर एक खुला हमला है। यह केवल अलग-थलग कट्टरता नहीं है, बल्कि नफरत फैलाने का एक सुनियोजित प्रयास है, जो हमारे राष्ट्र की बहुलतावादी आत्मा को खोखला कर रहा है।'' उन्होंने हाल की कई घटनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि केरल तक में दक्षिणपंथी संगठनों के माध्यम से असहिष्णुता का यह ज़हर फैल चुका है। वेणुगोपाल ने कहा, ''ये घटनाएं अलग-थलग नहीं हैं, बल्कि 'भारत की अवधारणा' के मूल पर किए गए घाव हैं। जब सरकारी व्यवस्था अपने नागरिकों को भीड़तंत्र के हवाले कर देती है, तब हम सबका साथ, सबका विकास का उपदेश कैसे दे सकते हैं?''

कोगिलु में मकान ढहाए जाने के मामले में मानवाधिकार आयोग ने सरकार से जवाब मांगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक राज्य मानवाधिकार आयोग की एक टीम ने सोमवार को शहर के उत्तरी हिस्से में स्थित कोगिलू में उस स्थल का दौरा किया, जहां कई 'अवैध मकानों' को ध्वस्त किया गया। टीम ने कहा कि प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि निवासियों के लिए उचित वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की गई थी, लेकिन इसकी पुष्टि की जाएगी। कर्नाटक राज्य मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष टी शाम भट्ट ने कहा कि इस मामले को आयोग की जांच शाखा को भेजा गया है, ताकि मानवाधिकार उल्लंघनों के आरोपों की जांच की जा सके और यह निर्धारित किया जा सके कि अतिक्रमण-रोधी कार्रवाई के समय कानूनी प्रावधानों का पालन किया गया या नहीं। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक रिपोर्ट के आधार पर सरकार को शुरुआती सिफारिशें भेजी जाएंगी।

अधिकारियों ने बताया कि 20 दिसंबर को कोगिलू के वसीम लेआउट और फकीर कॉलोनी में घरों को बेंगलूरु सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट लिमिटेड द्वारा ध्वस्त किया गया, ताकि प्रस्तावित ठोस कचरा प्रसंस्करण इकाई के लिए अतिक्रमण हटाया जा सके। उन्होंने बताया कि ये घर बिना सरकारी अनुमति के बनाए गए थे और इनमें रहने वाले अधिकांश लोग अन्य राज्यों से आए प्रवासी थे।

भट्ट ने पत्रकारों से कहा, हमारे अधिकारी जांच करेंगे और प्रभावित लोगों को इस प्रक्रिया के दौरान संबंधित दस्तावेज जमा करने होंगे। अगर यह सरकारी जमीन है, तो हम रिकॉर्ड की जांच करेंगे और सरकार को सिफारिशें भेजेंगे। उन्होंने कहा, इस बीच, निवासियों का आरोप है कि घरों को ध्वस्त करने से पहले कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की गई थी, हालांकि मीडिया रिपोर्ट में सामने आया कि कुछ दूरी पर अस्थायी आश्रय केंद्र खोले गए थे। हम इस सब की जांच करेंगे।

भट्ट ने कहा, सभी पहलुओं पर विचार करते हुए हम फिलहाल सरकार को प्रारंभिक सिफारिशें देंगे। उचित जांच के बाद विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की जाएगी।

अध्यक्ष ने एक प्रश्न के उत्तर में कहा कि निवासियों के बयानों के आधार पर प्रथम दृष्टया मानवाधिकार उल्लंघन प्रतीत होता है। उन्होंने बताया, हालांकि, दस्तावेजों की पुष्टि किए बिना हम किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंच सकते। चूंकि यह सरकारी भूमि बताई जा रही है, इसलिए हम सरकार को नोटिस भेजेंगे और कानून के अनुसार की गई कार्रवाई पर रिपोर्ट मांगेंगे।

मुख्यमंत्री ने नववर्ष से पहले बेंगलूरु में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के निर्देश दिए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने सोमवार को पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिया कि बेंगलूरु में नववर्ष समारोह के दौरान वे किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए सख्त कार्रवाई करें।

मुख्यमंत्री ने पुलिस समेत विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक की, जिसमें उन्हें लागू किए गए एहतियाती उपायों के बारे में जानकारी दी गई।

सिद्धरमैया के कार्यालय द्वारा जारी एक बयान में उनके हवाले से कहा गया, नए साल के जश्न के दौरान महिलाओं की सुरक्षा के लिए सभी एहतियाती उपाय किए जाने चाहिए। यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि कोई अप्रिय घटना न हो। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि यह सुनिश्चित करने के लिए व्यवस्था की जाए कि उत्सवों के बाद लोगों को सुरक्षित रूप से घर लौटने में सुविधा प्रदान करने के लिए आधी रात के बाद 'बेंगलूरु मेट्रोपॉलिटन ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन' (बीएमटीसी) की बसें बड़ी संख्या में उपलब्ध हों। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी रोड, ब्रिगेड रोड, चर्च स्ट्रीट, कोरमंगला और इंदिरा नगर सहित प्रमुख क्षेत्रों में भीड़भाड़ को रोकने के लिए कदम उठाए जाने चाहिए और भीड़ प्रबंधन के लिए आधुनिक तकनीक का उचित उपयोग किया जाना चाहिए।

बेंगलूरु में सुरक्षा के लिए 20,000 कर्मियों की तैनाती का जिक्र करते हुए सिद्धरमैया ने कहा, इस बार हम अन्य जिलों से 1,200 पुलिस अधिकारियों को तैनात कर रहे हैं। महिला पुलिसकर्मियों को बड़ी संख्या में तैनात किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि शहर में नव वर्ष समारोह को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए चार नियंत्रण कक्ष, 78 निगरानी टावर, 164 महिला सहायता डेस्क और 55 एम्बुलेंस की व्यवस्था की गई है। उन्होंने बताया कि पिछले तीन दिनों में शराब पीकर गाड़ी चलाने के 3,500 मामले दर्ज किए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नववर्ष की पूर्व संध्या पर शहर के 50 फ्लाईओवर पर दोपहिया वाहनों का आवागमन बंद रहेगा।

कर्नाटक में एक व्यक्ति ने घरेलू विवाद के चलते आत्महत्या कर ली

कलबुर्गी (कर्नाटक)/भाषा। कर्नाटक के कलबुर्गी में सोमवार को एक व्यक्ति ने घरेलू विवाद के चलते कथित तौर पर गोली मारकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने यह जानकारी दी। उसने बताया कि मृतक की पहचान खांडुराज धवलजी (42) के रूप में हुई है।

पुलिस ने बताया कि यह घटना शिवशक्ति नगर में हुई और अभी तक आत्महत्या का कोई नोट बरामद नहीं हुआ है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि घरेलू मुद्दों पर पति-पत्नी के बीच हुए झगड़े के कारण ही धवलजी ने यह कदम उठाया गया होगा। चौक थाने के पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने घटनास्थल का दौरा किया है। मामले की जांच चल रही है।

पूर्व विधायक पी.वी. अनवर को केएफसी लोन मामले में ईडी का नोटिस

कोच्चि/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने केरल फाइनेंशियल कॉर्पोरेशन (केएफसी) से लिए गए ऋण के कथित गबन मामले की जांच के तहत पूर्व विधायक पी.वी. अनवर को पेश होने के लिए नोटिस जारी किया है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। सूत्रों ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि अनवर को 31 दिसंबर को कोच्चि स्थित ईडी कार्यालय में पेश होने को कहा गया है। अधिकारियों ने बताया कि अनवर को डाक और ईमेल के जरिये नोटिस भेजा गया।

अनवर वर्तमान में तृणमूल कांग्रेस से जुड़े हैं, जिसे हाल ही में यूडीएफ की सहयोगी पार्टी के रूप में शामिल किया गया है।

ईडी ने इस साल नवंबर में मलप्पुरम में अनवर से जुड़े आवासों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर छापेमारी की थी।

एजेंसी अनवर से जुड़ी कंपनी मलमकुलम कंस्ट्रक्शंस को केएफसी द्वारा 2015 में दिए गए 7.5 करोड़ रुपए के ऋण की जांच कर रही है। ईडी ने एक बयान में कहा कि इसके बाद, थोड़े ही समय के अंतराल में पी वी आर डेवलपर्स को उन्हीं गिरवी संपत्तियों का इस्तेमाल करके क्रमशः 3.05 करोड़ रुपए और 1.56 करोड़ रुपए के ऋण स्वीकृत किए गए, जिसके परिणामस्वरूप कुल गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) लगभग 22.3 करोड़ रुपए हो गई। बयान में कहा गया है कि ईडी ने अलग-अलग व्यक्तियों के नाम पर 15 बैंक खातों की पहचान की है, जो कथित तौर पर बेनामी हैं और इन्हीं खातों के माध्यम से संदिग्ध लेनदेन हुए हैं।

उपराष्ट्रपति ने गरीबों को बुनियादी सुविधाएं प्रदान करने की जरूरत पर बल दिया

पुडुचेरी/भाषा। उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन ने सोमवार को गरीबों को बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने की जरूरत पर जोर देते हुए कहा कि ऐसे लोगों की आवश्यकताओं का ध्यान रखा जाना चाहिए। उन्होंने स्मार्ट सिटी मिशन के तहत यहां कुमारगुरुपल्लम में 45.5 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित बहुमंजिला इमारतों में फ्लैट (मकान) के लाभार्थियों को चाबियां वितरित करने के बाद यह बात कही।

उपराष्ट्रपति बनने के बाद इस केंद्र शासित प्रदेश की पहली यात्रा पर आये राधाकृष्णन का नागरिक अभिनंदन भी किया गया।

राधाकृष्णन ने गरीबों की आवास संबंधी जरूरतों को पूरा करने की पुडुचेरी सरकार की पहल को सराहनीय बताया। उन्होंने कहा कि हर नागरिक को भोजन और आश्रय की गारंटी मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा, सरकार यहां इन बुनियादी जरूरतों को पूरा कर रही है, लेकिन लोगों की अपेक्षाओं को ध्यान में रखते हुए सुविधाओं को उपलब्ध कराना अब भी बेहद जरूरी है।

महाराष्ट्र एएनटीएफ, बेंगलूरु पुलिस और एनसीबी के संयुक्त अभियान में चार लोग गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। महाराष्ट्र मादक पदार्थ-रोधी कार्य बल (एएनटीएफ), बेंगलूरु सिटी पुलिस और स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) के संयुक्त अभियान के तहत मेफेड्रोन और इससे जुड़े कच्चे माल के अवैध निर्माण तथा तस्करी के सिलसिले में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि कुल 1.2 करोड़ रुपए मूल्य का 4.2 किलोग्राम मेफेड्रोन और 17 किलोग्राम कच्चा माल जब्त किया गया। महाराष्ट्र एएनटीएफ अधिकारियों ने 21 दिसंबर को अब्दुल खादर को लगभग 1.5 किलोग्राम मेफेड्रोन रखने के आरोप में मुंबई में हिरासत में लिया था।

बेंगलूरु पुलिस आयुक्त कार्यालय के एक बयान के अनुसार, खादर से पूछताछ के बाद बेलगावी के प्रशांत पाटिल को गिरफ्तार किया गया, जिसने प्रतिबंधित सामग्री के स्रोत के बारे में जानकारी दी, जिससे जांचकर्ताओं के बेंगलूरु जाकर आगे की जांच करने का मार्ग प्रशस्त हुआ।

बयान में कहा गया है, महाराष्ट्र एएनटीएफ ने बेंगलूरु सिटी पुलिस और एनसीबी अधिकारियों के समन्वय से येलहांका थाना क्षेत्र के अंतर्गत कटकनहल्ली में सुरेश यादव और बगालुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत कन्नूर में मलखान रामलाल बिश्नोई को हिरासत में लिया।

पुलिस ने बताया कि संयुक्त अभियान के तहत अवलाहल्ली थाना क्षेत्र के येरप्पनहल्ली गांव में एक घर से 4.2 किलोग्राम मेफेड्रोन जब्त किया गया, साथ ही 17 किलोग्राम तरल कच्चा माल और अन्य रसायन भी बरामद किए गए, जो तैयारी के लिए रखे गए थे। वहां से बैरल, मिक्सर और अन्य उपकरण भी जब्त किए गए।

कोथनूर थाना क्षेत्र के अंतर्गत एन. गोल्लाहल्ली से एक और मिक्सर बरामद किया गया। हालांकि, छापेमारी के दौरान किसी भी स्थान पर कोई चालू प्रयोगशाला या कारखाना नहीं मिला।

पुलिस ने बताया कि कन्नूर में एक बढ़ई के कार्यस्थल में जमा कच्चा माल भी जब्त किया गया।

महाराष्ट्र पुलिस ने अपनी प्रेस विज्ञप्ति में कुल 55 करोड़ रुपए मूल्य के मादक पदार्थों को जब्त किए जाने की जानकारी दी है। हालांकि, बेंगलूरु पुलिस ने कहा कि जब्त की गई मात्रा और प्रतिबंधित पदार्थों के कुल मूल्य के संबंध में उनसे आधिकारिक तौर पर पुष्टि किए जाने की मांग की जा रही है। उन्होंने बताया कि संयुक्त अभियान 24 और 25 दिसंबर के बीच चलाए गए थे। आरोपियों को 26 दिसंबर को देवनहल्ली अदालत में पेश किया गया था।

मेफेड्रोन एक मादक पदार्थ है, जिसे 'म्याऊ म्याऊ' के नाम से भी जाना जाता है। यह कोकीन और एक्स्टेसी के मिश्रण जैसा प्रभाव डालता है, जिससे थोड़े समय के लिए तीव्र ऊर्जा और खुशी (उल्लास) का अनुभव होता है।

महिला के यौन उत्पीड़न के आरोप में व्यक्ति गिरफ्तार

बेंगलूरु/भाषा। बेंगलूरु के एक मॉल में क्रिसमस समारोह के दौरान एक महिला का यौन उत्पीड़न करने के आरोप में 27 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। यह जानकारी पुलिस ने सोमवार को दी।

पुलिस ने बताया कि आरोपी की पहचान मनोज चंद के रूप में हुई है, जो असम का रहने वाला है और ऑनलाइन फूड डिलीवरी का काम करता है।

पुलिस के अनुसार, महिला 25 दिसंबर को अपने पति और बच्चे के साथ मॉल गई थी। पुलिस के अनुसार क्रिसमस मनाने के लिए बड़ी संख्या में लोग वहां पहुंचे थे, जिससे मॉल में काफी भीड़ थी।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि महिला मॉल के अंदर एक बड़े क्रिसमस ट्री के पास खड़ी थी, तभी आरोपी ने कथित तौर पर शराब के नशे में आकर उसे अनुचित तरीके से छूआ और मौके से भाग गया। उन्होंने बताया कि महिला ने तुरंत अपने पति और मॉल में सुरक्षा के लिए तैनात पुलिस कर्मियों को सूचित किया, जिन्होंने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी को पकड़ लिया।

पुलिस ने बताया कि आरोपी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 354 के तहत एक मामला दर्ज करके उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

प्रवर्तन निदेशालय ने मलयालम फिल्मों के अभिनेता जयसूर्या से पूछताछ की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि/भाषा। मलयालम फिल्मों के अभिनेता जयसूर्या और उनकी पत्नी धोखाधड़ी से जुड़े धनशोधन के एक मामले में पूछताछ का सामना करने के लिए सोमवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समक्ष पेश हुए। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि संघीय जांच एजेंसी ने दम्पति का बयान धनशोधन निवारण अधिनियम के प्रावधानों के तहत दर्ज किया।

इस मामले पर दम्पति की ओर से अभी कोई टिप्पणी नहीं आई है।

सूत्रों के अनुसार, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच कम से कम चार प्राथमिकी पर आधारित है, जो त्रिशूर पुलिस द्वारा दर्ज की गई थीं। इन प्राथमिकी में आरोप है कि कुछ व्यक्तियों को एक ऑनलाइन बोली एप्लिकेशन 'सेव बॉक्स' के माध्यम से ठगी का सामना करना पड़ा। सूत्रों के अनुसार, इस कथित निवेश योजना को स्वाथी रहीम नामक एक व्यक्ति द्वारा संचालित किया जा रहा था।

सूत्रों के अनुसार, एजेंसी ने सबसे पहले रहीम का बयान दर्ज किया, जिसमें उन्होंने ईडी को बताया कि निवेशकों से जुटाई गई राशि का एक हिस्सा फिल्म उद्योग को गया।

सूत्रों के अनुसार, इन लेनदेन में से कुछ में 47 वर्षीय मलयाली अभिनेता भी शामिल थे।

सूत्रों ने बताया कि रहीम ने जयसूर्या को उक्त निवेश योजना के ब्रांड एंबेसडर के रूप में उनकी स्वीकृति प्राप्त करने के बदले इस राशि का एक हिस्सा भुगतान किया।

रहीम ने कथित तौर पर ईडी को बताया कि उन्होंने अभिनेता के 'पार्टनर' को बैंकिंग चैनल के माध्यम से लगभग 30 लाख रुपए का भुगतान किया, जबकि अधिक राशि नकद में भुगतान की गई, जो जयसूर्या की पत्नी द्वारा संचालित बुटीक में सौंपी गई।

इसलिए अभिनेता और उनकी पत्नी को ईडी ने समन किया, ताकि रहीम द्वारा उनके खिलाफ लगाए गए इन आरोपों की पुष्टि की जा सके और पूरे मामले को समझा जा सके।

सूत्रों के अनुसार, ईडी इस मामले में उत्पन्न अपराध से प्राप्त धन की पड़ताल कर रही है।

सूत्रों के अनुसार, समझा जाता है कि दंपति ने ईडी को बताया कि 75 लाख रुपए की राशि के लिए एक औपचारिक समझौता किया गया था, जिसमें से 69 लाख रुपए बैंकिंग चैनल के माध्यम से सेव बॉक्स कान्सेप्ट्स प्राइवेट लिमिटेड नामक कंपनी से प्राप्त हुए। सूत्रों के अनुसार, दोनों ने ईडी को यह भी बताया कि शेष निर्धारित राशि के अदा न होने के कारण विज्ञापन कभी जारी नहीं किया गया।

बेंगलूरु पुलिस ने मादक पदार्थ समेत नकदी जब्त की, दो लोग गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक की राजधानी बेंगलूरु में अलग-अलग मामलों में मादक पदार्थ और नकदी बरामद करके दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी।

पुलिस के मुताबिक करीब ढाई करोड़ रुपए मूल्य का मादक पदार्थ और नकदी जब्त की गई है। नव वर्ष के अवसर पर होने वाले समारोहों के मद्देनजर पुलिस की यह कार्रवाई काफी अहम मानी जा रही है।

पहले मामले में, पुलिस की केंद्रीय अपराध शाखा के मादक पदार्थ नियंत्रण प्रकोष्ठ ने सोलादेवनहल्ली पुलिस थाने की सीमा के भीतर एक अभियान चलाया और कथित तौर पर मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल एक विदेशी नागरिक को गिरफ्तार किया। पुलिस ने दोनों ही मामलों में गिरफ्तार आरोपियों के नाम उजागर नहीं किए हैं।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, अभियान के दौरान, आरोपियों से 1.70 किलोग्राम एमडीएमए क्रिस्टल, 60 एक्स्टसी गोलियां, दो लाख रुपए नकद, अपराध में कथित तौर पर इस्तेमाल किया गया एक मोबाइल फोन और एक लैपटॉप जब्त किया गया। उन्होंने बताया कि इस मामले में जब्त की गई सामग्री का कुल मूल्य 2.25 करोड़ रुपए आंका गया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी पिछले साल व्यापारिक वीजा पर भारत आया था।

प्रारंभिक जांच के अनुसार, उसने कथित तौर पर दिल्ली और मुंबई में रहने वाले अन्य विदेशी नागरिकों से कम कीमतों पर एमडीएमए खरीदा और नए साल के जश्न के दौरान जाने-पहचाने ग्राहकों को मादक पदार्थों की आपूर्ति करने की तैयारी कर रहा था। पुलिस ने कहा कि वे वीजा शर्तों से संबंधित संभावित उल्लंघनों की भी जांच कर रहे हैं।

बांडेपाल्या पुलिस थाने की सीमा के भीतर चलाए गए एक अन्य अभियान में, पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले एक अंतरराज्यीय तस्कर को गिरफ्तार किया। आरोपियों से पुलिस ने 100 एलएसडी स्ट्रिप्स, पांच ग्राम कोकीन और अपराध में इस्तेमाल किया गया एक मोबाइल फोन जब्त किया। अधिकारियों ने बताया कि इस मामले में जब्त की गई वस्तुओं का कुल मूल्य लगभग 25 लाख रुपए है।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपी बेंगलूरु में एक ई-कॉमर्स कंपनी में काम कर रहा था।

पीएमके की आम परिषद में रामदास सर्वसम्मति से अध्यक्ष निर्वाचित

सेलम (तमिलनाडु)/भाषा। पट्टाली मक्कल काची (पीएमके) के संस्थापक डॉ एस रामदास को सोमवार को यहां आयोजित पार्टी की आम परिषद और कार्यकारिणी की बैठक में सर्वसम्मति से पार्टी का अध्यक्ष चुन लिया गया।यह बैठक रामदास और उनके बेटे, पूर्व केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री अंबुमणि के बीच वर्चस्व की जंग के बीच आयोजित की गई।पार्टी ने अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए गठबंधन करने और पीएमके को जीत दिलाने के निर्णय के लिए रामदास को अधिकृत किया है। बैठक में पारित एक प्रस्ताव के अनुसार, जी के मणि को सर्वसम्मति से पीएमके का मानद अध्यक्ष और रामदास की बेटी श्रीगंधी परशुरामन को कार्यकारी अध्यक्ष चुना गया। श्रीगंधी अपने भाई अंबुमणि का स्थान लेंगी, जिन्हें अक्टूबर में पार्टी से निष्कासित कर दिया गया था। इसके अलावा, श्रीगंधी प्रकृति संरक्षण को बढ़ावा देने वाले रामदास द्वारा गठित गैर-सरकारी संगठन 'पसुमई थायगम' के अध्यक्ष के रूप में अंबुमणि की पत्नी सौम्या का स्थान लेंगी। हाल ही में, पीएमके संस्थापक ने अपने वकीलों के माध्यम से एक सार्वजनिक नोटिस जारी कर अपने बेटे को पार्टी के नाम, झंडे या प्रतीक चिन्ह का उपयोग करने या किसी भी हैसियत में पार्टी का प्रतिनिधित्व करने के खिलाफ चेतावनी दी थी।

इससे पहले बैठक को संबोधित करते हुए विधायक अरुल ने कहा कि वरिष्ठ नेता रामदास ने पिछले कुछ वर्षों में 'अनेक त्याग' किए हैं और पीएमके को सींचा है।

भाजपा विधायक शरणु सालागर के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज

बीदर (कर्नाटक)/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक शरणु सालागर के खिलाफ 99 लाख रुपए का चेक 'बाउंस' होने की शिकायत के संबंध में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी।

भाजपा विधायक पर 2023 के विधानसभा चुनाव के दौरान लिए गए ऋण को वापस नहीं करने करने का आरोप है।पुलिस ने बताया कि विधायक और शिकायतकर्ता आपस में रिश्तेदार बताए जा रहे हैं। विधायक ने चुनाव संबंधी खर्चों के लिए अपने रिश्तेदार से आर्थिक मदद ली थी और यह राशि उन्हें जनवरी से फरवरी 2023 के बीच कई किस्तों में मिली थी। विधायक ने अपने रिश्तेदार को छह महीने के भीतर सारी रकम लौटाने का आश्वासन दिया था।प्राथमिकी में कहा गया कि शिकायतकर्ता ने दो साल तक इंतजार किया लेकिन बार-बार याद दिलाने के बावजूद जब विधायक ने उधार ली गई राशि नहीं लौटाई तो 14 सितंबर 2025 को एक बैठक बुलाई गई,

जिसमें विधायक ने देनदारी स्वीकार की और 99 लाख रुपए का चेक दिया।प्राथमिकी के अनुसार जब शिकायतकर्ता के परिवार के सदस्य 16 सितंबर को विधायक के आवास पर यह पुष्टि करने के लिए गए कि चेक जमा किया जा सकता है या नहीं, तो विधायक ने कथित तौर पर गलत व्यवहार किया, साथ ही धमकी भी दी।

शिकायतकर्ता ने दावा किया है कि कथित धमकियों को रिकॉर्ड कर लिया गया और उन्हें इलेक्ट्रॉनिक सबूत के तौर पर शिकायत के साथ जमा किया गया।

पुलिस ने बताया कि जब 18 सितंबर को शिकायतकर्ता के बैंक में चेक जमा कराया गया तो अगले दिन चेक वापस कर दिया गया और बताया गया कि खाता बंद हो गया है। पुलिस ने बताया कि चेक से भुगतान नहीं होने पर 22 सितंबर को विधायक को एक कानूनी नोटिस जारी किया गया जिसमें निर्धारित अवधि के भीतर भुगतान करने की मांग की गई थी, लेकिन उसका कोई जवाब नहीं मिला।शिकायत के आधार पर विधायक के खिलाफ 27 दिसंबर को बसवा कल्याण पुलिस थाने में भारतीय न्याय संहिता की धारा 109 (हत्या का प्रयास), 314 (बेईमानी से संपत्ति का गबन), 318 (धोखाधड़ी), 352 (शांति भंग करने के इरादे से जानबूझकर अपमान करना), 351 (आपराधिक धमकी) और 74 (महिला की मर्यादित करने के इरादे से उस पर हमला या आपराधिक बल का प्रयोग) के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच जारी है।

अधिकारी जनता की समस्याओं का करें त्वरित समाधान : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार जनकल्याण को सर्वोपरि मानते हुए प्रदेश के विकास के लिए कार्य कर रही है। गरीब, युवा, किसान, महिलाओं सहित सभी वर्गों का उत्थान राज्य सरकार की योजनाओं एवं नीतियों का केन्द्र-बिन्दु है। मुख्यमंत्री निवास पर की जा रही जनसुनवाई में भी मुख्यमंत्री इन वर्गों की समस्याओं का त्वरित समाधान कर रहे हैं। जनसुनवाई में अपनी समस्याओं के मौके पर ही समाधान से आमजन बेहद खुश नजर आए। मुख्यमंत्री ने सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर जनसुनवाई की। इस दौरान उन्होंने आमजन की परिवेदनाओं को व्यक्तिशः सुना तथा अधिकारियों को समस्याओं के निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनता की समस्याओं के समाधान में कोताही नहीं बरतें तथा सर्वोच्च प्राथमिकता से इनका निस्तारण करें। शर्मा ने लापरवाह कार्मिकों पर सख्त कार्यवाही करने के भी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने इस दौरान ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज, श्रम, कृषि, गृह, राजस्व, जयपुर विकास प्राधिकरण, नगर निगम, शिक्षा, चिकित्सा, पेयजल सहित विभिन्न विभागों की आमजन से जुड़ी परिवेदनाओं को सुना और उनका मौके पर ही निस्तारण किया। इस दौरान शर्मा ने विभिन्न संस्थाओं द्वारा आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों के पोस्टर विमोचन भी किए। इस अवसर पर बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि और आमजन उपस्थित रहे।

कांग्रेस ने अरावली पर्वतमाला की नयी परिभाषा पर रोक लगाने के फैसले का स्वागत किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कांग्रेस की राजस्थान इकाई के नेताओं और पर्यावरण कार्यकर्ताओं ने अरावली पर्वतमाला की नयी परिभाषा से जुड़े मामले में उच्चतम न्यायालय के 20 नवंबर के आदेश पर सोमवार को रोक लगाए जाने का स्वागत किया और इसे पिछले एक महीने से पहाड़ियों के संरक्षण की लड़ाई लड़ रहे सभी लोगों की जीत बताया। उच्चतम न्यायालय ने अपने 20 नवंबर के फैसले में दिए गए उन निर्देशों को सोमवार को स्थगित रखने का आदेश दिया जिनमें अरावली पहाड़ियों और पर्वतमाला की एक समान परिभाषा को स्वीकार किया गया था। उसने इस मुद्दे की व्यापक और समग्र समीक्षा के लिए इस क्षेत्र के विशेषज्ञों को शामिल कर एक उच्चस्तरीय समिति गठित करने का प्रस्ताव रखा।

इससे पहले, न्यायालय ने अरावली पहाड़ियों और पर्वतमालाओं की एक समान परिभाषा को 20 नवंबर को स्वीकार कर लिया था तथा विशेषज्ञों की रिपोर्ट आने तक दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान एवं गुजरात में फैले इसके क्षेत्रों में नए खनन पट्टे देने पर रोक लगा दी थी। न्यायालय ने अरावली पहाड़ियों और पर्वतमालाओं की सुरक्षा के लिए अरावली पहाड़ियों और पर्वतमालाओं की परिभाषा पर पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की एक समिति की सिफारिशों को स्वीकार कर लिया था। समिति ने अनुशंसा की थी कि अरावली पहाड़ी की परिभाषा अरावली जिलों में स्थित ऐसी किसी भी भू-आकृति के रूप में की जाए, जिसकी ऊंचाई स्थानीय भू-स्तर से 100 मीटर या उससे अधिक हो और अरावली पर्वतमाला एक-दूसरे से 500 मीटर के भीतर दो या अधिक ऐसी पहाड़ियों का संग्रह होगा। कांग्रेस और पर्यावरण कार्यकर्ताओं ने इस पुनर्परिभाषा का कड़ा विरोध करते हुए आशंका जताई थी कि इससे पहाड़ियों को खनन, रियल एस्टेट और अन्य परियोजनाओं के लिए खोलकर उन्हें नुकसान पहुंचाया जा सकता है। न्यायालय के ताजा निर्देश के बाद राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इसे क्षेत्र की पर्यावरणीय अखंडता के संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा, उच्चतम न्यायालय का फैसला स्वागत योग्य है। मौजूदा पर्यावरणीय चुनौतियों को देखते हुए अरावली क्षेत्र के भविष्य की योजना अगली एक शताब्दी को ध्यान में रखकर दीर्घकालिक दृष्टि से बनाना आवश्यक है।गहलोत ने पर्यावरण मंत्री से अरावली क्षेत्र में खनन बढ़ाने की योजनाओं के बजाय पर्यावरणीय चिंताओं को प्राथमिकता देने की अपील की। उन्होंने कहा, सरिस्का सहित अरावली क्षेत्र में खनन बढ़ाने की सोच भविष्य के लिए खतरनाक है। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने इसे जनता की बड़ी जीत बताते हुए कहा, यह पिछले एक महीने से अरावली संरक्षण की लड़ाई लड़ रहे सभी लोगों की जीत है।

उन्होंने उम्मीद जताई कि उच्चतम न्यायालय अरावली के दीर्घकालिक संरक्षण को सुनिश्चित करने वाला ऐतिहासिक फैसला जल्द ही देगा। अरावली संरक्षण अभियान का नेतृत्व कर रहे कार्यकर्ताओं के समूह 'अरावली विरासत जन अभियान' ने भी न्यायालय के निर्णय पर संतोष जताते हुए कहा, हम इस प्राकृतिक धरोहर के संरक्षण के लिए अपनी लड़ाई जारी रखेंगे।

अरावली को और नुकसान पहुंचा रही है राजस्थान की डबल इंजन सरकार : कांग्रेस

नयी दिल्ली/जयपुर। कांग्रेस ने सोमवार को आरोप लगाया कि राजस्थान में डबल इंजन सरकार द्वारा न सिर्फ खनन, बल्कि रियल एस्टेट विकास के दरवाजे खोले जा हैं, जिससे अरावली के पहले से ही तबाह पारिस्थितिकी तंत्र को और अधिक नुकसान पहुंचेगा। कांग्रेस महासचिव और पूर्व पर्यावरण मंत्री जयराम रमेश ने यह भी कहा कि यह सब भारतीय वन सर्वेक्षण (एफएसआई) की सिफारिशों के खिलाफ किया जा रहा है। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, इस समय देश अरावली को लेकर उच्चतम न्यायालय के ताज़ा निर्देशों का इंतज़ार कर रहा है। यहां इस बात के और सबूत हैं कि अरावली की नई परिभाषा पहले से ही बर्बाद हो चुके इस पारिस्थितिकी तंत्र में और ज्यादा तबाही मचाएगी।

उन्होंने कहा, मुद्दा सिर्फ़ खनन का नहीं है, एफसीआईए की सिफ़ारिशों के खिलाफ, नई दिल्ली और जयपुर की डबल इंजन सरकार रियल एस्टेट डेवलपमेंट के दरवाजे भी खोल रही है। अरावली पहाड़ियों की नयी परिभाषा को लेकर उठे विवाद के बीच उच्चतम न्यायालय ने इस मुद्दे पर स्वतः संज्ञान लिया है और वह सोमवार को मामले की सुनवाई करेगा।

प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली अवकाशकालीन पीठ इस मामले की सुनवाई करेगी जिसमें न्यायमूर्ति जे.के. माहेश्वरी और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह शामिल हैं। उच्चतम न्यायालय ने 20 नवंबर को अरावली पहाड़ियों और पर्वतमालाओं की एक समान परिभाषा को स्वीकार करते हुए, दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान और गुजरात में फैले अरावली क्षेत्रों में विशेषज्ञों की रिपोर्ट आने तक नए खनन पट्टों के आवंटन पर रोक लगा दी थी।

गौरक्षकों ने राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसंधुरा राजे का काफिला रोका

कोटा। मृत गायों और बछड़ों के अनुचित निपटान के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने रविवार को कोटा-उदयपुर राजमार्ग पर पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे का काफिला रोक दिया। एक अधिकारी के अनुसार झालावाड़ से जयपुर जा रहे राजे के काफिले को 'हैंगिंग ब्रिज' पर लगभग 20 मिनट के लिए रोका गया, जिससे राजमार्ग पर जाम लग गया। पुलिस उपाधीक्षक मनीष शर्मा ने बताया कि पूर्व मुख्यमंत्री ने जिला अधिकारियों को इस मुद्दे को हल करने का निर्देश दिया। बजरंग दल के कार्यकर्ता और गौरक्षकों ने रविवार को शहर में मृत गायों के सम्मानजनक निपटान की मांग करते हुए मार्च निकाला। उनका आरोप था कि कोटा नगर निगम (केएमसी) के ठेकेदार मृत गायों को बांधधर्मपुरा के खुले इलाके में फेंक रहे थे।

प्रदर्शनकारियों ने लगभग 20 मिनट तक राजमार्ग पर जाम लगाया, हालांकि बाद में यातायात सामान्य हो गया। इस बीच, डीएसपी ने बताया कि जाम लगाने के मामले में जांच की जा रही है। बजरंग दल के योगेश रैनवाल ने कहा, मृत गायों के निपटान में लापरवाही से नाराज गौरक्षकों और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं को जब यह जानकारी मिली कि राजे का काफिला इस रास्ते से गुजरने वाला है, तो उन्होंने मार्च निकाला।

पंचायतीराज मंत्री दिलावर ने भारत उपवन कुशालपुरा का किया निरीक्षण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पंचायतीराज मंत्री मदन दिलावर ने सोमवार को ब्यावर जिले की ग्राम पंचायत कुशालपुरा में भारत उपवन का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने ब्यावर क्षेत्र में ग्राम पंचायत एवं ग्रामीणों के सहयोग से चारागाह भूमि पर किए गए फलदार एवं छायादार पौधारोपण की पहल की सराहना की। मंत्री मदन दिलावर ग्राम पंचायत कुशालपुरा स्थित महात्मा गांधी श्रीमती तारा देवी लालचंद जी सिंघवी राजकीय विद्यालय, कुशालपुरा में भामाशाह सिंघवी ट्रस्ट द्वारा लगभग 7 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित नवीन विद्यालय भवन के लोकार्पण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप भाग ले रहे थे। कार्यक्रम के पश्चात उन्होंने ग्राम पंचायत कुशालपुरा एवं ग्रामवासियों के सहयोग से चारागाह भूमि पर लगाए गए 2500 से 3000 फलदार एवं छायादार पौधों का अवलोकन किया। पौधों की शत-प्रतिशत जीवितता दर देखकर मंत्री महोदय अत्यंत प्रसन्न हुए तथा ग्राम पंचायत को बधाई दी। उन्होंने पौधों की नियमित निराई-गुड़ाई, समय-समय पर खाद एवं पानी देने के निर्देश भी दिए।

इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिला परिषद ब्यावर डॉ.गोपाल लाल मीना ने बताया कि ब्यावर जिले की 83 ग्राम पंचायतों में लगभग 1300 बीघा चारागाह, बंजर एवं अन्य राजकीय भूमि को अतिक्रमण से मुक्त करवाकर पंचायतीराज संस्थाओं द्वारा इस प्रकार के सराहनीय प्रयास किए गए हैं। इसके अंतर्गत अब तक 1.5 लाख फलदार पौधे लगाए जा चुके हैं तथा शेष ग्राम पंचायतों में आगामी वर्ष में पौधारोपण किया जाएगा। मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि यह एक बहुत सुंदर प्रयास है।

उन्होंने बताया कि एक पौधा अपने जीवनकाल में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से मिलाकर 4 से 5 करोड़ रुपये तक की आय प्रदान करता है, जिससे पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलती है। इस अवसर पर मंत्री जी ने ग्राम पंचायत लीलांबा, रायपुर, बर एवं सेंदड़ा की स्वच्छता व्यवस्था का भी निरीक्षण किया।

पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय जोबनेर से कृषि और अनुसंधान को मिलेगी नई दिशा : राज्यवर्धन राठौड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। झोटवाड़ा विधानसभा क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों की प्रगति को लेकर केबिनेट मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने ब्लॉक के उपखण्ड अधिकारी, तहसीलदार, विकास अधिकारियों सहित शिक्षा विभाग, कृषि विभाग, पीएचईडी, पंचायती राज विभाग, पशु चिकित्सा विभाग, स्वास्थ्य विभाग और सार्वजनिक निर्माण विभागों के अधिकारियों की बैठक बुलाई। इसमें विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई और पिछली बैठकों में पारित प्रस्तावों को जल्द पूरा कराने पर विशेष जोर दिया। विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने अपने-अपने विभागों से जुड़े कार्यों की स्थिति की विस्तार से जानकारी दी। बैठक को संबोधित करते हुए कर्नल राठौड़ ने कहा कि सभी ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों को सप्ताह में कम से कम दो निरीक्षण अनिवार्य रूप से करने के निर्देश दिए, ताकि जमीनी स्तर पर योजनाओं की वास्तविक स्थिति का आकलन हो सके। इसके साथ ही कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने सभी लंबित कार्यों को प्राथमिकता के साथ तेजी से पूरा कराए जाने पर जोर दिया। उन्होंने झोटवाड़ा विधानसभा क्षेत्र में 113 करोड़ रुपए की सहायता राशि से बनने वाली सड़कों के निर्माण की प्रगति के बारे में सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियों से जानकारी ली। उन्होंने कहा कि पंचायत क्षेत्र का समग्र विकास उनका प्रमुख उद्देश्य है। उन्होंने अधिकारियों से माच्छरखानी और ज्वालामाता मंदिर क्षेत्र में बनने वाली सड़क निर्माण में तेजी लाने को ताकीद किया। कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने ग्रामीण क्षेत्र में होने वाले सारे विकास कार्यों की लिस्ट बनाने के निर्देश दिए ताकि उनकी प्रगति के बारे में पता चल सके कि कितने काम पेंडिंग हैं और कितने पूरे हो चुके हैं। साथ ही उन्होंने चल रहे विकास कार्यों की तस्वीरें भी उपलब्ध कराने को कहा। इसके अलावा कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने आसलपुर में खेल मैदान के निर्माण के लिए जल्द ही स्वीकृत कराने के भी निर्देश दिए।

ग्राम पंचायतों में पेयजल की उपलब्धता पर मॉनिटरिंग करते हुए कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि ग्रामीणों को पीने के पानी के लिए परेशान नहीं होना पड़े इसके लिए जल्द से जल्द सारे कनेक्शन का काम पूरा होना चाहिए। उन्होंने कहा कि हर जगह इतना शानदार काम हो रहा है इनमें और तेजी लाए जाने की आवश्यकता है ताकि ग्राम पंचायतों का विकास तेजी से हो और आखिरी छोर तक लोगों के पास सुविधाएं पहुंचे।

उन्होंने झोटवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के जोबनेर की ग्राम पंचायत बस्सी नागा में 50 बीघा में बनने वाले पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय के निर्माण पर विस्तार से जानकारी ली। बीकानेर के पशु चिकित्सा यूनिवर्सिटी के बाद ये राजस्थान का दूसरा पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय होगा। इससे पशुपालन, कृषि एवं अनुसंधान को नई दिशा मिलेगी और क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।

युवा राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ करें देशहित में कार्य : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद में जो राष्ट्रनिर्माण की भावना जन्म लेती है वही आगे चलकर धरातल पर साकार होती है। विद्यार्थी परिषद से निकले अनेक कार्यकर्ता आज उच्च पदों पर स्थापित हैं। उन्होंने कहा कि संगठन में अनुशासन और कर्तव्यपरायणता का जो संस्कार परिषद में मिलता है वही एक सशक्त और समृद्ध राष्ट्र के निर्माण की नींव साबित हो रहा है। शर्मा सोमवार को जयपुर में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के 61वें प्रांत अधिवेशन के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा इस अधिवेशन में 23 जिलों से 700 से अधिक कर्मयोगी विद्यार्थी एकत्रित हुए हैं और 1 हजार से अधिक शिक्षाविद एवं विद्यार्थी इस आयोजन का हिस्सा बन रहे हैं।

देश को नई दिशा देने वाले अनेक आंदोलनों का सूत्रधार एबीवीपी

मुख्यमंत्री ने कहा कि विद्यार्थी परिषद पिछले 7 दशकों से भी अधिक समय से भारत की अखंडता एवं गरिमा के संरक्षण में अतुलनीय योगदान दे रही है। जब भी भारतीयता और राष्ट्रभक्ति के बारे में किसी युवा संगठन की बात आती है तो अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का नाम सम्मान और गर्व के साथ लिया जाता है। उन्होंने कहा कि एबीवीपी देश को एक नई दिशा देने वाले अनेक आंदोलनों की सूत्रधार रही है। 1970 में बांग्लादेशी घुसपैठियों के देश में उत्पात के खिलाफ मुहिम, विश्वविद्यालयों में स्वस्थ वातावरण का निर्माण ऐसे आंदोलनों में शामिल हैं।

शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2014 के बाद देश में अभूतपूर्व बदलाव आए हैं। राज्य सरकार भी पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अन्त्योदय के विचार को आगे बढ़ाते हुए अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना सुनिश्चित कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने अपनी नीतियों से किसानों को आगे बढ़ाया, महिलाओं को सम्मान दिलाया, गांवों को सड़क से जोड़ा, युवाओं की शक्ति को पहचाना, गरीब-मजदूर का सशक्तीकरण किया तथा निःशुल्क चिकित्सा सुविधा देशवासियों को उपलब्ध करायी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हाई पावर्ड डेमोग्राफी मिशन की घोषणा की है। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी कहा है कि घुसपैठियों को चुन-चुनकर बाहर निकाला जाएगा। इसी कड़ी में अब राजस्थान में भी हमने ये काम प्रारंभ किया है, राजस्थान में घुसपैठियों के लिए कोई जगह नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में नई शिक्षा नीति भारतीय ज्ञान परंपरा को आगे बढ़ाने का एक महत्वपूर्ण कदम है। अब भारतीय भाषा में पठन-पाठन को बढ़ावा दिया जा रहा है। राजस्थान भी इस मुहिम में रोज नए कदम बढ़ा रहा है।

शर्मा ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार के समय राजस्थान में युवाओं की निराशा चरम पर थी। पेपरलीक और भ्रष्टाचार अपने चरम पर था। हमारी सरकार ने हाल ही में दो वर्ष पूरे किए हैं। इन दो वर्षों में हमने इतने विकास कार्य किये हैं जितने पूर्ववर्ती सरकार पांच सालों में भी नहीं कर पाई। उन्होंने कहा कि हमने पांच साल में 4 लाख सरकारी नौकरी देने का वादा किया है। इस कड़ी में 92 हजार युवाओं को सरकारी नौकरी दे दी है, 20 हजार अगले माह देंगे। वहीं, 1.50 लाख से अधिक नियुक्तियां प्रक्रियाधीन हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने सरकार में आते ही राजस्थान के विकास के लिए रोडमैप बनाया। रामजल सेतु लिंक परियोजना, देवास परियोजना, यमुना जल समझौता, इंदिरा गांधी गंगनहर की मरम्मत सहित विभिन्न निर्णय लिए गए। उन्होंने कहा कि बिजली के लिए भी हमने कई अहम निर्णय किए हैं। हमने किसानों से वादा किया था कि दिन में बिजली उपलब्ध कराएंगे, इस दिशा में अब हम 22 जिलों में दिन में बिजली दे रहे हैं। जल्द ही प्रदेश बिजली में आत्मनिर्भर बनेगा। साथ ही, पहले ही वर्ष में राइजिंग राजस्थान का आयोजन किया गया। इससे निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर सृजित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम जल्द ही युवा पॉलिसी भी ला रहे हैं।

डिफेंस और साइबर सुरक्षा की चुनौतियों का समाधान खोजेंगे देशभर के युवा टेक-माइंड्स

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। केंद्रीय जासूसी प्रशिक्षण संस्थान (सीडीटीआई) जयपुर में सोमवार से दो दिवसीय राष्ट्रीय हैकाथॉन शील्ड 1.0 स्मार्ट हैकाथॉन फॉर इंटेलिजेंस, एनफोर्समेंट, लॉ एवं डिफेन्स का विधिवत शुभारंभ हुआ। 29 और 30 दिसंबर को आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम का मुख्य ध्येय खुफिया और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के सामने आने वाली आधुनिक समस्याओं के लिए तकनीक-आधारित प्रभावी समाधान खोजना है। निदेशक सीडीटीआई डॉ. अमनदीप सिंह कपूर ने बताया कि इ्स हैकाथॉन के माध्यम से देशभर के साइबर विशेषज्ञ, डेवलपर्स और नवाचारी छात्र एक मंच पर एकत्रित हुए हैं। यह आयोजन मुख्य रूप से डिजिटल फॉरेंसिक्स, साइबर अपराध रोकथाम, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और सर्विलांस इंटेलिजेंस जैसे गंभीर विषयों पर केंद्रित है। इसका लक्ष्य ऐसी उन्नत प्रणालियाँ विकसित करना है, जो भारत की आंतरिक सुरक्षा और पुलिसिंग क्षमताओं को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी और अधिक सुदृढ़ बना सकें। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में उप निदेशक एनसीआरबी नई दिल्ली श्री प्रशुन गुप्ता उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में आधुनिक पुलिसिंग और कानून प्रवर्तन में डेटा एनालिटिक्स और एआई की महत्ता को रेखांकित किया। उन्होंने प्रतिभागियों से आग्रह किया कि वे ऐसे समाधान विकसित करें जो न केवल तकनीकी रूप से उन्नत हों, बल्कि वास्तविक परिस्थितियों में व्यावहारिक और नैतिक रूप से सुरक्षित भी हों।

सीडीटीआई निदेशक डॉ. कपूर ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए शील्ड 1.0 की अवधारणा को साझा किया।

आतंकी खतरे को देखते हुए बिहार में पांच क्षेत्रीय केंद्रों पर तैनात होंगी एटीएस की टीमें

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। राज्य में बढ़ते आतंकी खतरों की आशंका को देखते हुए बिहार सरकार ने किसी भी आपात स्थिति से त्वरित रूप से निपटने के लिए आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) की टीमों को राज्य के पांच क्षेत्रीय केंद्रों पर तैनात करने का निर्णय लिया है।

इनमें सीमावर्ती इलाकों और हिंदू एवं बौद्ध धर्म के प्रमुख तीर्थस्थल गया जी पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। एटीएस की टीमें पटना, गया जी, पूर्णिया, दरभंगा और मोतिहारी (पूर्वी चंपारण) में तैनात की जाएंगी। वर्तमान में एटीएस की टीम केवल राज्य की राजधानी पटना में स्थित है और आवश्यकता पड़ने पर वहीं से भेजी जाती है। एटीएस के अपर पुलिस महानिदेशक (एडीजी) पंकज कुमार दराद ने सोमवार को पत्रकारों को बताया, पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) ने राज्य के गृह विभाग को प्रस्ताव भेजा है कि त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए एटीएस की टीमों को राज्य के पांच स्थानों पर तैनात किया जाए। क्षेत्रीय केंद्रों पर तैनात टीमों का नेतृत्व उपाधीक्षक स्तर के अधिकारी करेंगे। इन टीमों को अत्याधुनिक संसाधनों से लैस किया जाएगा ताकि आतंकी स्थितियों से प्रभावी ढंग से निपटा जा सके।

दराद ने कहा कि क्षेत्रीय केंद्रों का फोकस सीमावर्ती इलाकों पर अधिक रहेगा और ये अपने आसपास के जिलों की भी निगरानी करेंगे। उनके मुताबिक, ये टीमें स्लीपर सेल, आतंकी गतिविधियों, गैरकानूनी गतिविधि (निवारण) अधिनियम (यूएपीए) के तहत दर्ज मामलों में रिहा या बरी किए गए लोगों तथा सोशल मीडिया पर कट्टरपंथी तत्वों पर भी नजर रखेंगी। उन्होंने बताया, उदाहरण के तौर पर पूर्णिया केंद्र कटिहार,

किशनगंज, अररिया और भागलपुर जिलों को भी कवर करेगा। अन्य केंद्र भी इसी तरह कार्य करेंगे।

एटीएस के एडीजी ने कहा कि राज्य के सभी 38 जिलों में पहले से ही पांच-पांच सदस्यों वाली 'काउंटर टेररिस्ट टीमें' गठित हैं।

प्रस्तावित एटीएस केंद्रों में पूर्णिया, मोतिहारी और दरभंगा भारत-नेपाल की खुली सीमा के नजदीक स्थित हैं, जहां वर्ष भर लोगों की आवाजाही बनी रहती है। उन्होंने बताया कि पटना न केवल राज्य की राजधानी है, बल्कि यहां कई महत्वपूर्ण प्रतिष्ठान और अति विशिष्ट व्यक्तियों (वीवीआईपी) के आवास भी स्थित हैं।

गया जी जिले में बोधगया स्थित महाबोधि मंदिर है, जो यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल है और गया जी शहर से लगभग 14 किलोमीटर दूर है। यही वह स्थान है जहां सिद्धार्थ गौतम को ज्ञान प्राप्त हुआ और वह बुद्ध बने। गया जी शहर में विष्णुपद मंदिर और उसके आसपास के स्थल भी हैं, जहां दुनिया भर से हिंदू अपने पूर्वजों और प्रियजनों की आत्मा की शांति के लिए पिंडदान और प्रार्थना करने आते हैं। एटीएस के एडीजी के मुताबिक, बोधगया में 2013 और 2018 में आतंकी हमले हो चुके हैं। वर्ष 2013 में महाबोधि मंदिर परिसर और आसपास सिलसिलेवार बम विस्फोट हुए थे, जबकि 2018 में दलाई लामा की मौजूदगी के दौरान कालचक्र पूजा और अन्य अनुष्ठानों के समय आतंकी घटना हुई थी।

इस बीच, बिहार पुलिस ने एक बयान में बताया कि इस वर्ष जनवरी से नवंबर के बीच हत्या के मामलों में 5,620, डकैती में 1,054, लूट के मामले में 2,082 और अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 के तहत 3,630 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इसके अलावा, बलात्कार और अपहरण जैसे जघन्य अपराधों के मामलों में 3.53 लाख लोगों की गिरफ्तारी की गई है।

बयान के मुताबिक, पुलिस ने इस अवधि में 4,589 आग्नेयास्त्र, 28,542 कारतूस, 89 देसी बम, 288 डेटोनेटर जब्त किए और 74 मिनीगन फैक्ट्रियों का भंडाफोड़ किया। इसमें कहा गया है कि साथ ही, साम्प्रदायिक हिंसा, पुलिस पर हमले, भीड़ हिंसा और हर्ष फायरिंग के मामलों में 7,071 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने 2,600 किलोग्राम गांजा और सात किलोग्राम से अधिक हेरोइन भी जब्त की है।

कांग्रेस दो खेमों में बंट गई है, अब प्रियंका बनाम राहुल गुट हैं : भाजपा

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस दो गुटों में बंट गई है जिनमें एक प्रियंका गांधी वाद्रा का गुट है और दूसरा उनके भाई राहुल गांधी का है तथा मुख्य विपक्षी दल के भीतर राहुल गांधी के स्थान पर ''किसी और'' को लाने की मांग ''तेजी'' से बढ़ रही है। भाजपा के इस दावे पर अभी कांग्रेस की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आयी है। भाजपा ने हाल ही में आरोप लगाया था कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल विदेशी सरजमीं पर भारत के खिलाफ बोलते हैं और देश को बदनाम करते हैं क्योंकि वह इस तथ्य से ''घबराए हुए'' हैं कि उनकी पार्टी के सहयोगी और यहां तक कि परिवार के सदस्य भी उन पर ''अविश्वास'' दिखा रहे हैं।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने 'पीटीआई-वीडियो' से कहा, ''कांग्रेस दो हिस्सों में बंट गई है। पहले हम ऐसा कर्नाटक, राजस्थान और तेलंगाना में देखते थे। लेकिन अब राष्ट्रीय स्तर पर विभाजन हो गया है।'' उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा, ''अब राहुल गांधी की कांग्रेस बनाम प्रियंका की कांग्रेस की लड़ाई है।'' पूनावाला ने आरोप लगाया कि कांग्रेस में फूट तब खुलकर सामने आई जब पार्टी के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, ''पहले इमरान मसूद, रॉबर्ट वाद्रा और अन्य नेताओं जैसे प्रियंका के खेमे वाले लोग राहुल गांधी पर हमला कर रहे थे। राहुल गांधी पर परोक्ष रूप से निशाना साधने वाले दिग्विजय सिंह के उस बयान के बाद कांग्रेस अब और भी ज्यादा 'टुकड़े-टुकड़े' के मूड में आ गई है।'' भाजपा प्रवक्ता ने कहा, ''राहुल गांधी के खेमे में शामिल कांग्रेस के नेता जैसे मणिकम टैगोर और रेवंत रेड्डी, दिग्विजय सिंह पर हमला कर रहे हैं। वे आरएसएस पर भी हमला कर रहे हैं और उसे अपशब्द कह रहे हैं जबकि सोनिया गांधी और राहुल गांधी की प्रशंसा कर रहे हैं।'' पूनावाला ने आरोप लगाया कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सलमान खुर्शीद ने सिंह के समर्थन में कहा कि ''दिग्विजय सिंह शत प्रतिशत सही हैं।'' उन्होंने कहा, ''इसलिए यह बात बिल्कुल स्पष्ट है कि कांग्रेस में कोई मिशन और विजन नहीं है। पार्टी में सिर्फ भ्रम और फूट है। कांग्रेस आज दो हिस्सों में बंट गई है। रेवंत रेड्डी और अन्य राहुल गांधी के खेमे में हैं, जबकि दिग्विजय सिंह, सलमान खुर्शीद और अन्य नेता प्रियंका गांधी के खेमे में हैं।''

फतेहपुर में अवैध धर्मांतरण के प्रयास के आरोप में पादरी समेत दो लोग गिरफ्तार

कानपुर/भाषा। उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले के एक गिरजाघर में प्रार्थना सभा के दौरान अवैध धर्मांतरण के कथित प्रयास के लिए एक पादरी और उसके बेटे को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। इस घटना के बाद हिंदू संगठनों के सदस्यों ने विरोध प्रदर्शन किया। पुलिस के मुताबिक, राधा नगर थानाक्षेत्र के देवीगंज इलाके स्थित एक गिरजाघर के अंदर रविवार को बजरंग दल के कार्यकर्ताओं द्वारा प्रदर्शन किए जाने के बाद पादरी डेविड ग्लैडियन (60) और उनके बेटे अभिषेक ग्लैडियन (30) को गिरफ्तार कर लिया गया।

पुलिस ने बताया कि प्रदर्शनकारियों का आरोप था कि हिंदू महिलाओं को रुपए, नौकरी और बच्चों की मुफ्त शिक्षा का लालच देकर गिरजाघर में लाया जा रहा था। प्रदर्शनकारियों ने दावा किया कि घटना के समय गिरजाघर के अंदर बड़ी संख्या में महिलाओं सहित लगभग 150 लोग मौजूद थे। पुलिस के मुताबिक, मामले की सूचना मिलने पर पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) वीर सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और व्यवस्था बहाल की। पुलिस ने बताया कि पादरी को हिरासत में लिए जाने के बाद प्रदर्शनकारियों ने पुलिस वाहन को घेर लिया, जिससे तनाव बढ़ गया।

राधा नगर थाना प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) विनोद कुमार मौर्य ने बताया कि स्थानीय निवासी देव प्रकाश पासवान की शिकायत पर उत्तर प्रदेश धर्म संपरिवर्तन निषेध अधिनियम के तहत पादरी, उसके बेटे और सात अज्ञात व्यक्तियों सहित 10 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। पासवान ने शिकायत में आरोप लगाया कि उन्हें और अन्य लोगों को रविवार को गिरजाघर में बुलाया गया था, जहां प्रार्थना हो रही थी। उन्होंने दावा किया कि हिंदू धर्म की मान्यताओं के बारे में अपमानजनक टिप्पणियां की गईं और उपस्थित लोगों पर धर्म परिवर्तन के लिए दबाव डाला गया, जिसके लिए 1,100 रुपए, रोजगार के अवसर और बच्चों के लिए मुफ्त शिक्षा का लालच दिया गया। सिंह ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, कुछ महिलाएं गिरजाघर आई थीं और उनके आने के उद्देश्य की जांच की जा रही है। जांच जारी है और सबूतों के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने बताया कि इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी गई और लगभग तीन घंटे के विरोध प्रदर्शन के बाद स्थिति को नियंत्रित कर लिया गया।

उन्नाव बलात्कार मामला

न्यायालय ने सेंगर की उम्रकैद की सजा निलंबित करने संबंधी फैसले पर लगाई रोक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को दिल्ली उच्च न्यायालय के उस आदेश पर रोक लगा दी जिसमें 2017 के उन्नाव बलात्कार मामले में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से निष्कासित नेता कुलदीप सिंह सेंगर की उम्रकैद की सजा को निलंबित कर दिया गया था।

प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जे.के. माहेश्वरी तथा न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की अवकाशकालीन पीठ ने सेंगर को नोटिस जारी कर सीबीआई की उस याचिका पर जवाब मांगा जिसमें उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती दी गई है।

सीबीआई की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने पीठ से उच्च न्यायालय के आदेश पर रोक लगाने का आग्रह किया।

पीठ ने कहा कि वह इस मामले पर गौर करेगी। उसने कहा कि उच्च न्यायालय के 23 दिसंबर के आदेश पर सेंगर को हिरासत से रिहा नहीं किया जाएगा।

पीठ ने कहा कि इस मामले में कानून के कई अहम प्रश्न विचारणीय हैं और मामले की सुनवाई चार सप्ताह बाद के लिए स्थगित कर दी।

उच्च न्यायालय ने उन्नाव बलात्कार मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे सेंगर की सजा को यह कहते हुए निलंबित कर दिया था कि वह पहले ही सात साल और पांच महीने जेल में बिता चुके हैं।

उच्च न्यायालय ने बलात्कार मामले में दोषसिद्धि और सजा को चुनौती देने वाली अपील लंबित रहने तक सेंगर की सजा को निलंबित कर दिया था। सेंगर ने इस मामले में दिसंबर 2019 के निचली अदालत के फैसले को चुनौती दी है।

बहरहाल भाजपा से निष्कासित नेता जेल में ही रहेगा क्योंकि वह पीड़िता के पिता की हिरासत में मौत के मामले में 10 साल की सजा काट रहा है और उस मामले में उसे जमानत नहीं मिली है।

बलात्कार का मामला और इससे जुड़े अन्य मामले अगस्त 2019 को उच्चतम न्यायालय के निर्देश पर उत्तर प्रदेश की निचली अदालत से दिल्ली स्थानांतरित किए गए थे।

बिहार में मालगाड़ी पटरी से उतरी : हावड़ा-पटना मार्ग पर रेल सेवाएं प्रभावित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। बिहार के जमुई जिले के सिमुलतला में दो दिन पहले एक मालगाड़ी के आठ डिब्बों के पटरी से उतरने के कारण सोमवार को हावड़ा-पटना मार्ग पर रेल सेवाएं बाधित रहीं। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

पूर्व रेलवे के अधिकारी ने कहा कि रेल मार्ग को बहाल करने का काम पूरी तेजी से चल रहा है और इस मार्ग पर ट्रेन सेवाएं जल्द ही फिर से शुरू होने की उम्मीद है। अधिकारी ने बताया कि शनिवार रात मालगाड़ी के आठ डिब्बों के पटरी से उतरने के कारण कई एक्सप्रेस ट्रेन का समय पुनर्निर्धारित किया गया है। पूर्वी रेलवे के आसनसोल डिवीजन के अंतर्गत लाहाबोन और सिमुलतला रेलवे स्टेशन के बीच हुई दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है। इसके परिणामस्वरूप कई ट्रेन की आवाजाही बाधित हुई, जिससे यात्रियों को असुविधा हुई। उन्होंने बताया कि जसीडीह-झाझा खंड पर लाहाबन और सिमुलतला के बीच पटरियों पर अवरोध के कारण, 22347 हावड़ा-पटना वंदे भारत एक्सप्रेस, 12369 हावड़ा-देहरादून कुंभ एक्सप्रेस, 15047 कोलकाता-गोरखपुर पूर्वांचल एक्सप्रेस और 13105 सियालदह-बलिया एक्सप्रेस सहित कई ट्रेन को धनबाद-गया या अन्य वैकल्पिक मार्गों से निकाला जा रहा है।

पश्चिम बंगाल में कार्यकर्ताओं को प्रताड़ित किया गया, उन पर झूठे मामले दर्ज किए गए : शुभेंदु अधिकारी

कोलकाता/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता एवं पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने सोमवार को आरोप लगाया कि राज्य की पुलिस भाजपा कार्यकर्ताओं को ''प्रताड़ित'' कर रही है और उनके खिलाफ ''झूठे मामले'' दर्ज किए जा रहे हैं। अधिकारी ने पूर्व मेदिनीपुर जिले में अपने निर्वाचन क्षेत्र नंदीग्राम में एक भाजपा कार्यकर्ता की गिरफ्तारी के विरोध में आयोजित रैली को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि भाजपा के कार्यकर्ताओं के कथित उत्पीड़न में शामिल लोगों को तृणमूल कांग्रेस संरक्षण दे रही है।

यह रैली भारतीय जनता पार्टी मंडल अध्यक्ष के भाई की गिरफ्तारी और स्थानीय पुलिस द्वारा उनके परिजनों के कथित उत्पीड़न के विरोध में आयोजित की गई। अधिकारी इससे पहले नंदीग्राम थाना भी गए थे, जहां उन्होंने पार्टी कार्यकर्ता की गिरफ्तारी को लेकर पुलिस अधिकारियों से तीखी बहस की थी। उन्होंने पुलिस कार्रवाई को ''भाजपा समर्थकों के खिलाफ लक्षित कदम'' करार दिया था। नंदीग्राम बस अड्डे से शुरू होकर जानकीनाथ मंदिर पर समाप्त हुए विरोध मार्च में महिला कार्यकर्ताओं समेत बड़ी संख्या में भाजपा समर्थक शामिल हुए। भाजपा विधायक ने कहा, ''पांच जनवरी को अदालत का अवकाश समाप्त होने के बाद हम अपने कार्यकर्ता की रिहाई के लिए उसका दरवाजा खटखटाएंगे।'' उन्होंने दावा किया कि वह ''हिंदुओं को ममता बनर्जी सरकार की दया पर'' नहीं छोड़ेंगे।

लोग मुझ पर तुष्टीकरण का गलत आरोप लगाते हैं, मैं सही मायने में धर्मनिरपेक्ष हूं : ममता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को तुष्टीकरण के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि वह ''सही मायने में धर्मनिरपेक्ष'' हैं और बिना किसी भेदभाव के सभी धर्मों के कार्यक्रमों में भाग लेती हैं।

वह कोलकाता के न्यू टाउन में देवी दुर्गा को समर्पित एक सांस्कृतिक परिसर 'दुर्गा आंगन' की आधारशिला रखने के लिए आयोजित समारोह को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा, ''लोग मुझ पर तुष्टीकरण का आरोप लगाते हैं, लेकिन यह सही नहीं है। मैं सही मायने में धर्मनिरपेक्ष हूं।'' उन्होंने कहा कि वह सभी धर्मों के कार्यक्रमों में भाग लेती हैं। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ने यह नहीं बताया कि किसने उन पर ये आरोप लगाए हैं, लेकिन विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अक्सर उन पर मुसलमानों के तुष्टीकरण का

आरोप लगाती है। बनर्जी ने कहा, ''जब मैं गुरुद्वारे जाती हूं, तो आप कुछ नहीं कहते, लेकिन जब मैं ईद के कार्यक्रम में जाती हूं, तो मेरी आलोचना करने लगते हैं।'' बनर्जी ने जारी एसआईआर प्रक्रिया पर भी चिंता जताई और आरोप लगाया कि इसके कारण लोगों को उत्पीड़न का सामना करना पड़ रहा है तथा कुछ लोगों की जान भी गई है। उन्होंने दावा किया, ''लोगों को बेवजह परेशान किया जा रहा है। एसआईआर प्रक्रिया के दौरान एक महीने के भीतर 50 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है।''

त्रिपुरा के युवक की हत्या भयावह घृणा अपराध, हमें मृत समाज नहीं बनना चाहिए : राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने त्रिपुरा के एक युवक की देहरादून में हत्या को ''भयावह घृणा अपराध'' करार देते हुए सोमवार को कहा कि ''हमें एक ऐसा मृत समाज नहीं बनना चाहिए'' जो देशवासियों को निशाना बनाए जाने पर आंखें मूंद ले।

गांधी ने यह दावा भी किया कि इस तरह की घटनाएं उस नफरत का नतीजा हैं, जो रोजाना युवाओं के बीच परोसी जा रही है। पश्चिम त्रिपुरा जिले के नंदननगर के 24-वर्षीय एंजेल चकमा ने नौ दिसंबर को देहरादून में जब नस्लीय टिप्पणी का विरोध किया, तब छह लोगों ने उसपर हमला किया था। इलाज के दौरान 26 दिसंबर को उसकी मौत हो गई। राहुल गांधी ने पोस्ट किया, ''देहरादून में एंजेल चकमा और उनके भाई माइकल के साथ जो हुआ, वह एक भयानक घृणा अपराध है। नफरत रातोंरात पैदा नहीं होती। इसे रोजाना, विशेष रूप से हमारे युवाओं को, जहरीली सामग्री और गैर-जिम्मेदाराना विमर्श के माध्यम से परोसा जा रहा है तथा और सत्तारूढ़ भाजपा के नफरत फैलाने वाले नेतृत्व द्वारा इसे सामान्य बना दिया गया है।'' उन्होंने कहा, ''भारत सम्मान और एकता (की नींव) पर बना है, न कि भय और दुर्व्यवहार पर। हम प्रेम और विविधता वाला देश हैं। हमें एक मृत समाज नहीं बनना चाहिए जो साथी भारतीय नागरिकों को निशाना बनाए जाने पर आंखें मूंद ले। हमें आत्मचिंतन करना चाहिए और यह समझना चाहिए कि हम अपने देश को किस ओर जाने दे रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''मेरी संवेदनाएं चकमा परिवार और त्रिपुरा तथा उत्तर पूर्व के लोगों के साथ हैं। हमें आपको अपने भारतीय भाई-बहन कहने पर गर्व है।''

रोनाल्डो पेशेवर फुटबॉल में 1000 गोल का आंकड़ा छूना चाहते हैं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुबई/एपी। दिग्गज फुटबॉल खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने अपने करियर के अंत तक 1,000 गोल करने का दृढ़ संकल्प व्यक्त किया है। पुर्तगाल के इस 40 साल के महान खिलाड़ी को पूरा विश्वास है कि वह इस लक्ष्य को हासिल कर लेंगे। उनके नाम शीर्ष स्तर के पेशेवर फुटबॉल में 956 गोल है।

रोनाल्डो को रविवार देर रात दुबई में आयोजित 'ग्लोब सॉकर अवार्ड्स' समारोह में मध्य पूर्व का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया।

उन्होंने कहा, '' अगर कोई चोट न लगे तो मैं यह आंकड़ा जरूर हासिल कर लूंगा।'' रोनाल्डो ने

शनिवार को सऊदी प्रो लीग में अल-नसर के लिए दो गोल करके अपने करियर के कुल गोल की संख्या 956 तक पहुंचा दी। उनके गोलों की संख्या में पुर्तगाल के लिए पुरुषों के अंतरराष्ट्रीय रिकॉर्ड 143 गोल भी शामिल हैं।

रोनाल्डो अगले साल अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में होने वाले विश्व कप में पुर्तगाल की कप्तानी करने वाले हैं। इस विश्व कप के शुरू होते समय उनकी उम्र 41 साल हो जायेगी। रीयल मैड्रिड, मैनचेस्टर यूनाइटेड और युवेंटस जैसी बड़ी टीमों का प्रतिनिधित्व कर चुके इस स्ट्राइकर ने कहा, ''मैं अब भी आगे बढ़ने के लिए बहुत प्रेरित हूं। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि मैं कहां खेल रहा हूं (मध्य पूर्व में, यूरोप में या कही और)। मुझे हमेशा फुटबॉल खेलना, ट्रॉफी जीतना, गोल करना पसंद है और मैं इसी तरह आगे बढ़ना चाहता हूं।''

उन्होंने कहा, ''आप जानते हैं मेरा लक्ष्य क्या है। मैं और अधिक ट्रॉफी जीतना चाहता हूं और उस संख्या तक पहुंचना चाहता हूं जिसे आप सभी जानते हैं।''

रोनाल्डो ने अभी तक विश्व कप का खिताब नहीं जीता है। उन्होंने 2016 में पुर्तगाल के साथ यूरोपीय चैंपियनशिप जीती थी।

पूर्व छात्रों ने आईआईटी-कानपुर को सौ करोड़ रुपए देने का संकल्प लिया

कानपुर (उप्र)/भाषा। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान-कानपुर (आईआईटी-के) के 2000 बैच के पूर्व छात्रों ने अपने इस संस्थान को सौ करोड़ रुपए देने का संकल्प लिया है। सोमवार को जारी एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। बयान के अनुसार, रविवार देर शाम परिसर में आयोजित रजत जयंती पुनर्मिलन समारोह के दौरान वर्ष 2000 बैच के पूर्व छात्रों ने अपने शिक्षण संस्थान को 100 करोड़ रुपए देने का संकल्प लिया है। इसमें कहा गया है कि यह देश के सभी शैक्षणिक संस्थानों में किसी एक बैच द्वारा दिया गया अब तक का सबसे बड़ा दान है। यह संकल्प आईआईटी-के के बैच की गहरी कृतज्ञता और संस्थान की शैक्षणिक उत्कृष्टता, अनुसंधान क्षमताओं और सामाजिक प्रभाव को मजबूत करने की साझा प्रतिबद्धता को दर्शाता है। वर्ष 2000 के बैच को सहस्राब्दी बैच भी कहा जाता है। उसने प्रस्ताव दिया है कि इस दान का उपयोग आईआईटी-के में 'मिलेनियम स्कूल ऑफ टेक्नोलॉजी एंड सोसाइटी' की स्थापना के लिए किया जाए। यह घोषणा रजत जयंती पुनर्मिलन कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण थी, जिसमें पूर्व छात्र अपने साथियों, संकाय सदस्यों और संस्थान के साथ फिर से जुड़ने के लिए परिसर में आए थे। कानपुर आईआईटी के निदेशक मनिंद्र अग्रवाल ने इस संकल्प को संस्थान और उसके पूर्व छात्रों के बीच अटूट बंधन की सशक्त पुष्टि बताया। उन्होंने कहा, 100 करोड़ रुपए का यह उल्लेखनीय योगदान हमारे शैक्षणिक और अनुसंधान तंत्र को मजबूत करता है।

सुविचार

जो ईश्वर पर विश्वास करता है, उसी में आत्मशक्ति है, नास्तिक में आत्मशक्ति नहीं होती।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

उत्तराखंड में 'कालनेमियों' के दुर्दिन

भारत की भोली-भाली जनता को ठगने के लिए किस स्तर पर साजिश हो रही है, इसका अंदाजा उत्तराखंड सरकार द्वारा चलाए जा रहे 'ऑपरेशन कालनेमि' के आंकड़ों से लगाया जा सकता है। इसके तहत अब तक तीन जिलों में ही 511 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। इनमें 19 बांग्लादेशी भी हैं। यह स्थिति हमारे एक राज्य के तीन जिलों की है! सोचिए, पूरे भारत में ऐसे कितने कालनेमि घूम रहे होंगे? इन पाखंडियों के खिलाफ सख्ती दिखाने के लिए उत्तराखंड सरकार तारीफ की हकदार है। इस अभियान का विस्तार करना चाहिए। अगर हर राज्य में 'ऑपरेशन कालनेमि' चलाया जाए तो बहुत बड़ी तादाद में ठग और पाखंडी पकड़े जा सकते हैं। ये लोग आस्था के नाम पर जनता को लूट रहे हैं। बांग्लादेशी घुसपैठियों का दुस्साहस देखिए, ये भी बहते दरिया में हाथ धो रहे हैं, बल्कि डुबकी लगा रहे हैं। इनके अपने मुल्क में खाने के लाले पड़े हैं और ये इधर साधु-संतों का वेश धारण कर खातिरदारी के मजे लूट रहे हैं। इनकी तो लॉटरी निकल आई है। न कोई काम, न कोई मेहनत ... बस, दो-चार रटे-रटाए शब्द बोलकर अपना उल्लू सीधा करना है। ये अब तक उत्तराखंड में मौज कर रहे थे। अगर बांग्लादेश में होते तो आटे-दाल का भाव मालूम हो जाता। खैर, उत्तराखंड सरकार की कार्रवाई के बाद इस राज्य के अन्य शहरों में रहने वाले बांग्लादेशी कालनेमियों की नींदें उड़ गई होंगी। इस बात से इन्कार नहीं किया जा सकता कि ये सिर पर मंडराती मुसीबत देख अन्य राज्यों की राह पकड़ लें! वहां भी इनका ऐसा स्वागत होना चाहिए कि तबीयत हरी हो जाए।

वास्तव में 'ऑपरेशन कालनेमि' देवभूमि की गरिमा की रक्षा के लिए चलाया जा रहा है। ठग या पाखंडी किसी भी समुदाय से क्यों न हो, वह अपनी गतिविधियों के कारण सर्वसमाज के लिए खतरा बन सकता है। ऐसे लोग चोरी, डकैती, अपहरण, जासूसी, हत्या, तस्करी और अनैतिक कर्मों में लिप्त हों तो पता लगाना बहुत मुश्किल होता है। इनका कोई निश्चित ठिकाना नहीं होता। कई नागरिकों ने पूर्व में सोशल मीडिया पर दावे किए हैं कि उन्होंने दिन में ऐसे लोगों को घर-घर जाकर मांगते देखा, जनता इन्हें साधु-संत समझकर भोजन, कपड़े, रुपए आदि दे देती है; वहीं, शाम को ये लोग मदिरापान और अन्य अनैतिक कर्म करते हैं। ये जनता के बीच जाकर अंधविश्वास फैलाते हैं। कई तो रौब जमाने की कोशिश करते हैं। हालांकि जब कोई शिक्षित व्यक्ति इनसे सनातन धर्म के बारे में एक-दो प्रश्न पूछ लेता है तो ये बगलें झांकने लगते हैं। इन्हें सामान्य जानकारी भी नहीं होती। अगर कोई व्यक्ति इनका वीडियो बनाता है तो ये आपत्ति जताते हैं। अगर ये संख्या में ज्यादा हों तो झगड़ा करने लगते हैं। एक वीडियो में देखा गया कि किसी व्यक्ति ने हनुमान चालीसा सुनाने के लिए कहा तो वह शख्स चार पंक्तियां भी नहीं सुना सका। एक और शख्स गांव-गांव घूमकर 'मंदिर निर्माण' के लिए चंदा ले रहा था। जब उससे वेदों और अवतारों के नाम पूछे गए तो वह कुछ नहीं बता सका। उससे पूछा गया कि ढोंग क्यों कर रहे हैं, तो उसने खुलासा किया कि वह कोई साधु-संत नहीं है, उसे सनातन धर्म के बारे में कोई जानकारी नहीं है। उसे कामकाज करना अच्छा नहीं लगता, इसलिए वेश धारण कर घूमने लगा। इससे अच्छी कमाई हो जाती है। लोग हाथ जोड़कर सम्मान करते हैं सो अलग! अब उत्तराखंड में ऐसे पाखंडियों का विचरण करना मुश्किल हो जाएगा। अन्य राज्य भी थोड़ी हिम्मत दिखाएं।

ट्वीटर टॉक

जोगणिया माता जी के पावन धाम, बेगू (चित्तौड़गढ़) में दर्शन का सौभाग्य प्राप्त हुआ। मां की दिव्य ऊर्जा, आस्था का आलोक और इस धरा की आध्यात्मिक शक्ति हर भक्त को नई प्रेरणा और संबल प्रदान करती है। मां जोगणिया सभी पर अपनी कृपा बनाए रखें, यही प्रार्थना है।

-वसुंधरा राजे

पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ राज्य के समग्र विकास को स्थापित करने हेतु सदैव संकल्पित है। इसी संदर्भ में माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा अरावली से संबंधित आदेश की गहन समीक्षा हेतु एक नई समिति के गठन का निर्णय स्वागत योग्य है।

-भजनलाल शर्मा

आज सुप्रीम कोर्ट के 2 फैसलों ने देश की जनता को बड़ी राहत दी है, और न्यायपालिका के प्रति विश्वास को और मजबूत किया है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने इन निर्णयों से स्पष्ट संदेश दिया है कि अरावली, पर्यावरण और पीड़ितों के अधिकारों से कोई समझौता नहीं होगा।

-गोविंदसिंह डोटासरा

प्रेरक प्रसंग

गरिमामय हास्य

विवाह के बाद चारों भाइयों को मिथिला की कन्याएं अलग-अलग कक्षों में ले गईं। लक्ष्मण के साथ सखियां हंसी-मजाक करने लगीं और उन्हें छेड़ने लगीं। तब लक्ष्मण को स्मरण हुआ कि सरल स्वभाव के कारण भैया राम भी सखियों की शरारतें सह रहे होंगे और कुछ कह नहीं पा रहे होंगे। उनकी रक्षा के उद्देश्य से वे उस कोहबर (कक्ष) में पहुंचे जहां राम और सीता विराजमान थे। लक्ष्मण को देखकर सीता की सखियां हंस पड़ीं और बोलींअब तो दो दूल्हों को छेड़ने का आनंद मिलेगा। उन्होंने कहना शुरू किया, 'हमारी सखी सीता, राम से अधिक सुंदर हैं। राम तो उनकी मात्र छाया हैं।' यह सुनकर लक्ष्मण से रहा न गया। उन्होंने प्रतिवाद किया'मेरे भैया राम अधिक सुंदर हैं, सीता उनकी छाया हैं।'

बहस बढ़ी तो सखियों ने कहा'निर्णय सरल है। बताइए, छाया का रंग कैसा होता है?' लक्ष्मण बोले'काला।' यह सुनते ही सखियां मुस्कराईं और बोलीं'हमारी सीता गोरी हैं और राम श्याम वर्ण के। इससे सिद्ध हुआ कि राम, सीता की छाया हैं।' लक्ष्मण निरुत्तर हो गए।

सामयिक

भ्रष्टाचार और राजनीति का संकट भी 2025 में लगातार चर्चा का विषय बना रहा। आरोप-प्रत्यारोप, घोटालों की खबरें और राजनीतिक कटुता ने लोकतंत्र के प्रति आमजन के विश्वास को कमजोर किया। लोकतंत्र केवल चुनाव जीतने का नाम नहीं है, बल्कि वह जनविश्वास, पारदर्शिता और जवाबदेही की निरंतर परीक्षा भी है। जब जनता को यह महसूस होता है कि नीतियां उसके हितों के बजाय कुछ चुनिंदा वर्गों के लिए बन रही हैं, तो असंतोष और निराशा जन्म लेती है।

नये वर्ष में अनुत्तरित सवालों के जवाबों की तलाश

ललित गर्ग
मोबाइल : 9811051133

एक और वर्ष इतिहास के पन्नों में दर्ज हो चुका है। वर्ष 2025 केवल कैलेंडर का एक अंक नहीं था, बल्कि वह घटनाओं, चेतावनियों, उपलब्धियों और विडंबनाओं का ऐसा संगम रहा, जिसने समाज, राजनीति और विकास की हमारी समूची अवधारणाओं को कठघरे में खड़ा किया। नये वर्ष में प्रवेश करते समय यह केवल उल्लास, संकल्प और शुभकामनाओं का क्षण नहीं है, बल्कि गहरे आत्ममंथन का अवसर भी है। सवाल यह नहीं कि नया साल हमें क्या देगा, सवाल यह है कि बीते वर्ष ने हमें क्या सिखाया और हम उन सीखों को अपने जीवन, नीतियों और प्राथमिकताओं में कितना उतार पाए। हर नया वर्ष अपने साथ उम्मीदों की नई रोशनी लेकर आता है, लेकिन वह बीते वर्ष की छायाओं से मुक्त नहीं होता। उन छायाओं को समझना और उनसे सबक लेना ही नये वर्ष की सच्ची शुरुआत है। वर्ष 2025 की ओर दृष्टि डालें तो यह स्पष्ट होता है कि भारत और विश्व दोनों स्तरों पर विकास और संकट साथ-साथ चले। एक ओर भारत ने डिजिटल अर्थव्यवस्था, अंतरिक्ष विज्ञान, बुनियादी ढांचे और वैश्विक मंच पर अपनी उपस्थिति को मजबूत किया, वहीं दूसरी ओर पहलगाम की आतंकी घटना, पर्यावरणीय आपदाएं, महंगाई, बेरोज़गारी, शिक्षा और चिकित्सा की बढ़ती लागत, सामाजिक विषमता और राजनीतिक अविश्वास जैसे प्रश्न और भी गहरे होते चले गए। ये वे अनुत्तरित सवाल हैं, जिनके समाधान के बिना नये भारत और सशक्त भारत की संकल्पना अधूरी ही रहेगी। जाते हुए वर्ष के आंकडों एवं घटनाओं ने यह स्पष्ट कर दिया कि केवल आर्थिक आंकड़ों की चमक से किसी राष्ट्र की वास्तविक स्थिति नहीं आंकी जा सकती, उसके लिए आम जनजीवन की सच्चाइयों को समझना जरूरी है। पहलगाम की आतंकी घटना ने एक बार फिर आतंकवाद के भयावह चेहरे को उजागर किया, लेकिन उसके बाद ऑपरेशन सिंदूर की सफलता ने यह स्पष्ट कर दिया कि भारत अब केवल पीड़ित नहीं, बल्कि निर्णायक और साहसी प्रतिकार करने वाला राष्ट्र है। इस सटीक कार्रवाई ने पाकिस्तान-प्रायोजित आतंकवाद की पोल खोलते हुए दुनिया को यह संदेश दिया कि भारत अपनी सुरक्षा, संप्रभुता और नागरिकों के जीवन के साथ कोई समझौता नहीं करेगा। आतंक के विरुद्ध भारत की यह नीति-न तो उकसावे में आना, न ही चुप रहना, एक परिपक्व, सक्षम और आत्मविश्वासी राष्ट्र की पहचान बन चुकी है, जिसने सीमा पार बैठे आतंकी संरक्षकों को गहरा और ठोस जवाब दिया है। इसी परिप्रेक्ष्य में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश यात्राएं और उनकी वैश्विक नेतृत्व-छवि भारत के उभार को नई ऊंचाइयों तक ले जाती दिखती हैं। कूटनीति, निवेश, तकनीक और आपूर्ति-श्रृंखलाओं में भारत की भूमिका सुदृढ़ हुई है, जिससे देश के भीतर विश्वास और आशाओं का संचार हुआ है। स्थिर शासन, सुधारों की निरंतरता और वैश्विक साझेदारियों के बल पर भारत का तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ना अब एक दूर का स्वप्न नहीं, बल्कि साकार होता परिदृश्य प्रतीत होता है। आतंकवाद के विरुद्ध कठोर रुख, नक्सलवादमुक्त भारत और अर्थव्यवस्था में आत्मनिर्भर, नवोन्मेषी गति-इन तीनों ने मिलकर भारत को विश्व मंच पर निर्णायक शक्ति के रूप में स्थापित किया है।

पर्यावरण वर्ष 2025 की सबसे बड़ी चेतावनी बनकर सामने आया। जलवायु परिवर्तन अब केवल वैज्ञानिक रिपोर्टों या अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों का विषय नहीं रहा, बल्कि वह आम आदमी के जीवन का कठोर यथार्थ बन चुका है। हिमालयी क्षेत्रों में भूस्खलन, उत्तर भारत में रिकॉर्ड तोड़ गर्मी, महानगरों में दमघोंटू प्रदूषण और तटीय इलाकों में चक्रवातों की बढ़ती तीव्रता-ये सभी घटनाएं एक ही संकट की अलग-अलग अभिव्यक्तियां हैं। हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, केरल, पूर्वोत्तर और अन्य राज्यों में आई प्राकृतिक आपदाओं ने यह दिखा दिया कि प्रकृति से खिलवाड़ का मूल्य सबसे पहले गरीब और वंचित चुकाते हैं। विकास की अंधी दौड़ में जब पहाड़ों को काटा जाता है, नदियों को बांधा जाता है और जंगलों को उजाड़ा जाता है, तो उसका परिणाम विनाश के रूप में सामने आता है। नये वर्ष में यह सवाल हमारे सामने खड़ा है कि क्या विकास का अर्थ केवल सड़कें, पुल, सुरंगें और ऊंची इमारतें है, या वह जीवन, प्रकृति और भविष्य की सुरक्षा से भी जुड़ा हुआ है। जब तक पर्यावरणीय संतुलन को विकास नीति के केंद्र में नहीं रखा जाएगा, तब तक हर नया साल नई आपदाओं की आहट लेकर आता रहेगा। वर्ष 2025 ने हमें यह सोचने को विवश किया है कि प्रकृति के साथ सामंजस्य ही स्थायी विकास का एकमात्र रास्ता है।

प्रदूषण और स्वास्थ्य का संकट भी 2025 में और अधिक गहराया। दिल्ली-एनसीआर सहित अनेक शहरों की हवा लंबे समय तक 'गंभीर' श्रेणी में बनी रही। यह केवल प्रदूषण के आंकड़े नहीं थे, बल्कि करोड़ों लोगों के स्वास्थ्य पर मंडराता खतरा था। जल प्रदूषण, प्लास्टिक कचरे और रासायनिक अपशिष्ट ने गांवों और कस्बों को भी अपनी चपेट में ले लिया। सवाल यह है कि क्या आर्थिक विकास के नाम पर हम अपने ही जीवन स्रोतों को नष्ट करने के लिए तैयार हैं। नया वर्ष यह सोचने की प्रेरणा देता है कि स्वास्थ्य केवल अस्पतालों और दवाओं तक सीमित विषय नहीं है, बल्कि स्वच्छ हवा, शुद्ध जल और सुरक्षित पर्यावरण उसका मूल आधार हैं। शिक्षा के क्षेत्र में 2025 ने कई कड़वी सच्चाइयों को उजागर किया। विदेशों में पढ़ाई लगातार महंगी होती गई और देश के भीतर निजी शिक्षा संस्थानों की फीस मध्यम वर्ग की पहुंच से भी बाहर होती चली गई। शिक्षा का बढ़ता बाज़ारीकरण गरीबी के दुष्चक्र को और मजबूत कर रहा है। गरीब का बच्चा शिक्षा से वंचित रहता है और अशिक्षा उसे फिर उसी गरीबी में धकेल देती है। बस अड्डों, रेलवे स्टेशनों, चौराहों और कारखानों में काम करते बच्चों की तस्वीरें विकास के दावों पर प्रश्नचिह्न लगाती हैं। नया वर्ष यह गंभीर सवाल सामने रखता है कि क्या शिक्षा अधिकार है या विशेषाधिकार। यदि शिक्षा वास्तव में राष्ट्र-निर्माण की आधारशिला है, तो उसे बाजार की वस्तु क्यों बना दिया गया है। चिकित्सा व्यवस्था भी 2025 में आम आदमी की सबसे बड़ी चिंता बनी रही। सरकारी योजनाओं और दावों के बावजूद गंभीर बीमारी आज भी आर्थिक तबाही का कारण बन जाती है। निजी अस्पतालों की मनमानी, महंगी जांचें और दवाइयों की बढ़ती कीमतें यह प्रश्न खड़ा करती हैं कि क्या जीवन भी अब खरीदने-बेचने की वस्तु बन गया है। नया साल यह मांग करता है कि स्वास्थ्य को सेवा के रूप में पुनर्परिभाषित किया जाए, न कि मुनाफे के साधन के रूप में। महामारी और आपदाओं के अनुभव यह सिखाते हैं कि मजबूत सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली ही किसी भी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति होती है।

भ्रष्टाचार और राजनीति का संकट भी 2025 में लगातार चर्चा का विषय बना रहा। आरोप-प्रत्यारोप, घोटालों की खबरें और राजनीतिक कटुता ने लोकतंत्र के प्रति आमजन के विश्वास को कमजोर किया। लोकतंत्र केवल चुनाव जीतने का नाम नहीं है, बल्कि वह जनविश्वास, पारदर्शिता और जवाबदेही की निरंतर परीक्षा भी है। जब जनता को यह महसूस होता है कि नीतियां उसके हितों के बजाय कुछ चुनिंदा वर्गों के लिए बन रही हैं, तो असंतोष और निराशा जन्म लेती है। नया वर्ष यह सवाल उठाता है कि क्या राजनीति सेवा का माध्यम बनेगी या केवल सत्ता का साधन बनी रहेगी। वर्ष 2025 ने हमें यह सिखाया कि चुनौतियां केवल समस्याएं नहीं होतीं, वे भविष्य की दिशा भी तय करती हैं।

पर्यावरण संकट हमें टिकाऊ विकास की ओर बुलाता है, शिक्षा और स्वास्थ्य की चुनौतियां हमें मानवीय मूल्यों की याद दिलाती हैं और गरीबी व भ्रष्टाचार हमें सामाजिक न्याय की अनिवार्यता समझाते हैं। नये वर्ष की नाव इन्हीं अनुभवों और सबकों के सहारे आगे बढ़ सकती है। यदि हम विकास को प्रकृति-संवेदनशील बनाएं, शिक्षा और चिकित्सा को लोककल्याण का आधार मानें, राजनीति में नैतिकता और प्रशासन में पारदर्शिता स्थापित करें और गरीबी उन्मूलन को केवल आंकड़ों में नहीं, बल्कि जीवन की वास्तविकता में उतारें, तो नये वर्ष का स्वागत सार्थक होगा।

नजरिया

दुनिया भर के लिए बड़ी चुनौती बना पर्यावरण संकट

कुलभूषण उपमन्यु

पिछली डेढ़ शताब्दी, जब से औद्योगिक क्रांति ने विकास की गति तेज की और प्रकृति को जीतने की होड़ मच गई, मशीनों ने बंधक-निर्माण-शक्ति मानव के हाथ में दे दी तब से विकास की परिभाषा भी धीरे-धीरे बदल गई। गुणात्मक जीवन के बजाय बाहुल्य को विकास माना जाने लगा। प्रकृति के साथ दुर्व्यवहार का अंतहीन सिलसिला आरंभ हो गया। प्रकृति के दोहन से ही बाहुल्य के लिए सामान बनाए जा सकते थे इसलिए प्राकृतिक संसाधनों के असीमित दोहन की शुरुआत हो गई। उपनिवेशवाद के दौर में कम मशीनी शक्ति वाले देशों पर तथाकथित विकसित देशों द्वारा कब्जे किये गए और उनके संसाधनों को बेदर्दी से नष्ट किया गया। सभ्य कहलाने वाले देशों द्वारा कमजोर देशों के मूल निवासियों को किस तरह प्रताड़ित किया, उनकी सभ्यताओं को असभ्य घोषित करके नष्ट करने का कार्य किया गया, वह अपने आप में घिनौना इतिहास है। इसके अवशेष अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया के मूल निवासियों के रूप में देखे जा सकते हैं। किन्तु यह आधुनिक सभ्यता अब अपने ही भार से भस्मासुर की तरह नष्ट होने की दिशा में बढ़ती प्रतीत हो रही है। इस सभ्यता ने अपने ही मूल पर आघात करना शुरू कर दिया है। वैज्ञानिक समझ के विकास के चलते सब गलत दिशा को समझ भी रहे हैं किन्तु विज्ञान का दुरूपयोग प्रकृति विनाशक शक्ति के रूप में किया जा रहा है। दुनिया के सबसे विद्वान वैज्ञानिकों की बहुसंख्या युद्ध विज्ञान के विकास में संलग्न कर दी गई है क्योंकि निर्णय लेने वाले लोग आदिम क्रूर मानसिकता के ही वाहक बने हुए हैं जिनके हाथ में मशीन और विज्ञान, प्रकृति एवं प्राणी समाज के साथ मनमानी करने का हथियार बन गया है। ज्ञान, सुख और शांति का वाहक बनने के बजाय युद्ध और क्रूरता का वाहक बन गया है। इस स्थिति में संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के सातवें अधिवेषण में नैरोबी में प्रस्तुत की गई ग्लोबल आउटलुक 2025 रिपोर्ट पर्यावरण के साथ किये जा रहे दुर्व्यवहार को संरेखित करती है और अपने तौर-तरीकों पर मानव समाज को पुनर्विचार करके संशोधित करने की दिशा दिखलाती है। जलवायु परिवर्तन, प्रकृति के साथ किये जा रहे दुर्व्यवहार की प्रतिक्रिया के रूप में एक बड़े खतरे के रूप में चुनौती पेश कर रहा है। मशीनीकरण को चलाए रखने के लिए जिस उर्जा की बड़े पैमाने पर जरूरत है, वह जीवाश्म ईंधन से पैदा की जा रही है। इस उत्पादन प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर धुआं और जहरीली गैसें उत्सर्जित होती हैं जो हरित प्रभाव पैदा करके वायुमंडल के तापमान में अप्रत्याशित वृद्धि कर रही हैं। तापमान वृद्धि से पूरा जलवायु का संतुलन हिल गया है। कहीं अतिवृष्टि हो रही है तो कहीं अनावृष्टि हो रही है। ग्लेशियर पिघल कर समाप्त होने की ओर अग्रसर हैं जो आसन्न जल संकट का कारण बनेंगे। रिपोर्ट के अनुसार हरित प्रभाव गैसों के उत्सर्जन से अभी 1.5 डिग्री सेंटीग्रेड तक तापमान में वृद्धि हुई है जो साल 2024 में 1.55 डिग्री सेंटीग्रेड हो गई है। इस गति से वृद्धि होने पर जलवायु पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ रहा है जो आगे बढ़ता जाएगा। यदि तापमान वृद्धि को रोका नहीं गया तो इसके कारण जैव विविधता पर भी बुरा असर पड़ने वाला है। जिससे 10 लाख प्रजातियों के विलुप्त होने का खतरा पैदा हो गया है। 20 से 40% प्रतिशत भू-भाग वैश्विक स्तर पर अनुपजाऊ होने के कगार पर है, जिससे 300 करोड़ लोग प्रभावित होंगे।

जलवायु से जुड़ी भीषण घटनाओं के कारण जनधन की भारी हानि हो रही है। आर्थिक रूप में वार्षिक 14300 करोड़ डॉलर की हानि पिछले दो दशकों से हो रही है। वायु प्रदूषण के कारण साल 2019 में स्वास्थ्य संबंधी आर्थिक नुकसान 8.1 ट्रिलियन डॉलर आंका गया, जो वैश्विक अर्थ व्यवस्था का 6.1 प्रतिशत है। 90 लाख मौतें प्रदूषण संबंधी कारणों से हुईं। 80 हजार लाख टन प्लास्टिक कचरा फैला हुआ है, जिससे गंभीर रासायनिक तत्वों से संपर्क हो रहा है और इससे 1.5 ट्रिलियन डॉलर की आर्थिक हानि प्रति वर्ष हो रही है। नैनो प्लास्टिक तत्व मानव शरीर तक पहुंच कर स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं पैदा कर रहे हैं। अनुमान है कि यदि साल 2040 तक तापमान वृद्धि 2 डिग्री सेंटीग्रेड तक पंहुच गई तो जलवायु परिवर्तन के कारण पारिस्थितिक-व्यवस्था का अपूरणीय विनाश हो सकता है जिससे बड़े पैमाने पर विस्थापन होगा। अर्थव्यवस्थाएँ चौपट हो सकती हैं और बेरोजगारी, गरीबी और अस्थिरता बढ़ेगी। उपजाऊ जमीनों के नष्ट होने से भूख, विविधता विनाश, पौष्टिक आहार की कमी, अकाल और सामाजिक असंतोष के हालात बनेंगे। इस स्थिति से निपटने के लिए तत्काल गंभीर प्रयास करने की जरूरत है। किन्तु जलवायु नियंत्रण समझौतों के विषय में बहुत से देश विमुखता दिखा रहे हैं। जो मान भी रहे हैं वे भी हरित प्रभाव गैसों के उत्सर्जन में कटौती के लिए स्व घोषित लक्ष्य ही मानने तक सीमित रहना चाहते हैं। इस स्थिति से बाहर निकल कर कुछ आवश्यक कदम उठाने होंगे। ख़ासकर हरित प्रभाव गैसों के उत्सर्जन में भारी कटौती करनी होगी। जिसके लिए कार्बन मुक्त उर्जा विकल्पों की ओर मुड़ना होगा। सौर उर्जा, पवन उर्जा, हाइड्रो काइनेटिक उर्जा आदि विकल्प उपलब्ध और विकसित करने होंगे। पेट्रोल, डीज़ल पर दी जा रही सब्सिडी को हरित उर्जा की ओर मोड़ना पड़ेगा।

अत्यधिक संसाधन दोहन और दुरूपयोग को नियंत्रित करने के लिए यूज़ एंड थ्रो उत्पाद पद्धति को बदल कर टिकाऊ और मरम्मत किये जा सकने योग्य उत्पाद बनाने होंगे। बेकार पदार्थों और कचरे के पुन: चक्रीकरण की व्यवस्थाओं को प्रोत्साहित करना संसाधनों के अत्यधिक दोहन को रोकने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। वायु प्रदूषण को रोकना, पारिस्थितिक तंत्र को बचाना और पुनर्जीवित करने पर जोर देना पड़ेगा। जलवायु परिवर्तन से मुकाबला करने के लिए इसे रोकने के जरूरी कदम उठाने के साथ-साथ जलवायु अनुकूलन की विधियाँ तलाशनी होंगी। परिवहन के कारण होने वाले भारी प्रदूषण से निपटने के लिए टिकाऊ सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को आरामदायक बनाते हुए उसे विकसित करना पड़ेगा। समस्याएँ तो आती रहेंगी किन्तु समाधान के लिए प्रकृति आधारित हल प्राथमिकता से ढूंढे जाएं तो हालत सुधरने में मदद जरूर मिलेगी। (हिं.स.)

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

रिहर्सल

मुंबई में सोमवार को युवाओं के नेतृत्व में स्टूडेंट्स समेत बांसुरी बजाने वालों ने प्रदर्शन किया। बांसुरी वादक विवेक सोनार मुंबई में सालाना बांसुरी उत्सव के 17वें एडिशन के लिए फ्लूट सिम्फनी से पहले मरीन ड्राइव पर रिहर्सल करते हुए।

'बॉर्डर-2' के 'घर कब आओगे' का टीजर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

सनी देओल, दिलजीत दोसांझ, अहान शेट्टी और वरुण धवन स्टारर फिल्म 'बॉर्डर 2' के रिलीज का बेसब्री से इंतजार किया जा रहा है। फैंस का एक्साइटमेंट लेवल बढ़ाते हुए मेकर्स ने सोमवार को 'घर कब आओगे' गाने का टीजर जारी कर दिया। टीजर के जारी होते ही लोगों को बॉर्डर फिल्म का वो सीन याद आ गया, जब सीमा पर तैनात जवान अपने परिवारों से मिलने के लिए तड़प रहे थे। 'घर कब आओगे' के नए वर्जन को मनोज मुंतशिर शुक्ला ने लिखा है और अनु मलिक के संगीत को म्यूजिक कंपोजर मिथुन ने नए तरीके से पेश किया है।

गाने में 'बॉर्डर' की आइकॉनिक धुन का इस्तेमाल किया है, जो आज भी इमोशनल होने पर मजबूर कर रही है, लेकिन नए वर्जन में सोनू निगम, अरिजीत सिंह, विशाल मिश्रा और दिलजीत दोसांझ की आवाज का जादू देखने को मिल रहा है, जबकि पहला आइकॉनिक गाना रूप कुमार राठौड़ और सोनू निगम की आवाज में था और अनु मलिक ने अपने शानदार म्यूजिक से गाने में जान डाल दी थी। सोनू निगम, अरिजीत सिंह, विशाल मिश्रा और दिलजीत दोसांझ की आवाज सुनने के बाद ही फैंस पूरा गाना सुनने के लिए एक्साइटेड हैं। एक यूजर ने तारीफ कर लिखा, सोनू निगम और अरिजीत की आवाज सभी जॉनर को सूट करती है। इस बार कमाल ही होने वाला है और अब इंतजार करना मुश्किल हो रहा है।

एक अन्य यूजर ने लिखा, सोनू निगम सर ऑल टाइम लीजेंड हैं और इस गाने की आत्मा भी। कब रिलीज होगा पूरा गाना? 2 जनवरी 2026 को राजस्थान के जैसलमेर के लोंगेवाला-तनोट के पास एक खास इवेंट में गाने को लॉन्च किया जाएगा। ये गाना फिल्म के लिए बहुत जरूरी है, क्योंकि 'घर कब आओगे' गाने के बिना सीमा पर तैनात सैनिकों के लंबे इंतजार और तड़प को बयां कर पाना मुश्किल है। पहले गाने में सनी देओल, सुनील शेट्टी और अक्षय खन्ना के घर से जुड़ी हर कहानी को दिखाया गया था, जिसमें मां की ममता, प्रेमिका का प्यार और परिवार से दूर रहने का गम छिपा था। अब एक बार फिर वहीं तड़प, प्रेम और ममता का मेल सुनने को मिलने वाला है। फिल्म 23 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

वोटर लिस्ट

पश्चिम बंगाल के नादिया जिले में फुलिया बीडीओ ऑफिस में वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन के लिए एनरोल करने का इंतज़ार करती महिलाएं।

साल 2025 में बांग्लादेश-भारत संबंधों में आई खटास, कूटनीतिक तनातनी बढ़ी

ढाका/भाषा। राजनीतिक अस्थिरता, आर्थिक दबाव और अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न के आरोपों से जूझते बांग्लादेश के भारत के साथ संबंधों में इस साल गिरावट आई और दोनों पड़ोसी देशों के बीच कूटनीतिक तनातनी बढ़ी। पिछले वर्ष अगस्त में सरकार-विरोधी प्रदर्शनों के बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना के सत्ता से बाहर होने और भारत चले जाने के बाद रिश्तों में खटास आई। प्रदर्शनों के दौरान हिंसक कार्रवाई में कथित भूमिका के लिए इस वर्ष एक न्यायाधिकरण ने हसीना की अनुपस्थिति में उन्हें मौत की सजा सुनाई।

ढाका ने भारत के उच्चायुक्त प्रणय वर्मा को विभिन्न मुद्दों पर पांच बार तलब किया, जबकि भारत ने बांग्लादेश के उच्चायुक्त रियाज हामिदुल्ला को एक बार बुलाया और उनके देश में सुरक्षा स्थिति को लेकर चिंता जताई।

व्यापक रूप से ''भारत-हितैषी'' मानी जाने वाली अवामी लीग सरकार से मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार में हुए परिवर्तन ने बांग्लादेश के कूटनीतिक रुख को काफी हद तक बदल दिया।वहीं, इस्लामाबाद के साथ रिश्ते गहरे करने की ढाका की पहल ने क्षेत्रीय समीकरणों को और जटिल बना दिया।विशेषज्ञों के मुताबिक, यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के साथ बड़ी वैश्विक ताकतों की सीमित दिलचस्पी के कारण बांग्लादेश की स्थिति और कठिन हुई तथा ढाका कूटनीतिक रूप से दिशाहीन हो गया।

विश्लेषकों ने निर्वाचित सरकार के अभाव के कारण 2025 को बांग्लादेश के लिए 'गायब साल' करार दिया, जहां प्रमुख दूतावासों का संपर्क अंतरिम प्रशासन की तुलना में अगली सरकार बनाने की संभावना वाले दलों से अधिक रहा।

पूर्व राजदूत महफूजुर रहमान ने 'पीटीआई' से कहा कि 2025 में बांग्लादेश ''किसी स्पष्ट विदेश नीति दिशा'' के बिना आगे बढ़ा। उन्होंने कहा कि ''द्विपक्षीय रिश्तों में आए तनाव को दूर करने के लिए हालांकि दिल्ली की ओर से नरमी और परिपक्वता के संकेत दिखे, लेकिन ढाका ने रिश्ते सुधारने के लिए न तो पहल की और न ही इस मौके का लाभ उठाया।'' उन्होंने कहा, ''(ढाका ने) इसके बजाय एक अपरिपक्व रवैया दिखाया, जो साफ तौर पर एक घरेलू वर्ग को खुश करने के लिए था।''वर्ष के अंतिम महीनों में भारत-विरोधी ताकतों के उभार ने क्षेत्र में चिंता बढ़ाई। साथ ही, आम चुनाव की तारीख 12 फरवरी 2026 घोषित होने के बाद राजनीतिक हिंसा में वृद्धि देखी गई।

अनुपम खेर की मां दुलारी ने कश्मीरी मंगलसूत्र पहनकर किया रैंप वॉक

मुंबई/एजेन्सी

हिंदी सिनेमा में 550 फिल्मों का आंकड़ा पूरा करने वाले अनुपम खेर असल जिंदगी में बेहद सिंपल तरीके से रहते हैं। एक बार फिर उन्होंने सोशल मीडिया पर मां दुलारी का वीडियो शेयर किया है। इसमें दुलारी ने अपनी रैंप वॉक से यंग मॉडल्स को भी टक्कर दे दी। अनुपम खेर ने रविवार सुबह की शुरुआत मां दुलारी के वीडियो के साथ की है।

वीडियो में दुलारी को गिफ्ट में कश्मीरी मंगलसूत्र मिला है और उसे पाकर वे बहुत खुश हैं। अभिनेता अपनी मां से पूछते हैं कि कैसा लगा, तो पहले वो अशोक पंडित का शुक्रिया करती हैं और फिर तारीफ करती हैं कि बहुत प्यारा डिजाइन है। वे किरण खेर के लिए भी नया मंगलसूत्र मंगाने के लिए कहती हैं, लेकिन अनुपम का कहना है कि उनके पास है। वीडियो में अनुपम के कहने पर दुलारी नया मंगलसूत्र पहनकर रैंप वॉक भी करती हैं और उनके चेहरे पर छोटे बच्चे जैसी मुस्कान भी दिखती है। वे वीडियो में मटक-मटक के डांस भी करती हैं। इस अल्ट्रा क्यूट वीडियो पर फैंस दिल खोलकर प्यार लुटा रहे हैं। यूजर्स का कहना है कि माताजी हमेशा ऐसे ही खुश रहें।

इस वीडियो को शेयर कर अभिनेता ने कैप्शन में लिखा, मां के लिए मेरे दोस्त और भाई अशोक पंडित जी ने नए डिझेरू (कश्मीरी मंगलसूत्र) लाकर दिए और भाभी रीमा को मैंने दिए। मां ने तुरंत पहनकर शो ऑफ कर दिया और मेरे रिक्वेस्ट करने पर एक मॉडल की तरह चलकर भी दिखाया। मटककर भी चली। उन्होंने आगे लिखा, माता-पिता को खुश करना सबसे आसान होता है और फिर जो प्यार और आशीर्वाद मिलता है, उसकी कोई कीमत नहीं होती। जय माता की बता दें कि इससे पहले अभिनेता की मां दुलारी को गिरने की वजह से बहुत गंभीर चोट लगी थी और उनके चेहरे पर बड़े निशान बन गए और पैर पर भी नील के निशान थे। हालांकि समय के साथ उनका स्वास्थ्य ठीक हो रहा है।

पांचवीं सदी के जहाज की तर्ज पर बनाया गया है आईएनएसवी कौंडिन्य

नई दिल्ली/भाषा

गुजरात से सोमवार को अपनी पहली विदेश यात्रा के लिए ओमान रवाना हुआ जहाज आईएनएसवी कौंडिन्य पारंपरिक सिलाई विधि का इस्तेमाल करके बनाया गया है। यह पांचवीं शताब्दी के एक जहाज की तर्ज पर बनाया गया है और प्राचीन अजंता गुफाओं के एक चित्र से प्रेरणा लेकर इसे बनाने का विचार आया था।इस जहाज का नाम पौराणिक नाविक कौंडिन्य के नाम पर रखा गया है। कौंडिन्य के बारे में माना जाता है कि उन्होंने प्राचीन काल में भारत से दक्षिण पूर्व एशिया तक की यात्रा की थी। यह जहाज समुद्र तट वाले देश के रूप में भारत की ऐतिहासिक भूमिका का प्रतीक है। अधिकारियों के अनुसार, इसके डिजाइन और निर्माण में अद्वितीय तकनीकी चुनौतियां सामने आईं।भारतीय नौसेना ने 21 मई को कारवार नौसेना अड्डे पर आयोजित एक समारोह में केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत की उपस्थिति में इस जहाज को औपचारिक रूप से कमीशन किया और इसका नाम भारतीय नौसेना नौकायन पोत (आईएएसवी) कौंडिन्य रखा।

यह जहाज सोमवार को गुजरात के पोरबंदर से ओमान के लिए अपनी पहली समुद्री यात्रा पर रवाना हुआ। नौसेना के एक प्रवक्ता ने कहा, यह जहाज उन प्राचीन समुद्री मार्गों से होकर जाएगा, जो कभी भारत के पश्चिमी तट को ओमान से जोड़ते थे। इससे हिंद महासागर में व्यापार, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और निरंतर सभ्यतागत संबंध सुगम होते थे।प्राचीन तकनीक से सिले हुए जहाज के निर्माण की परियोजना संस्कृति मंत्रालय, भारतीय नौसेना और होडी इनोवेशन्स के बीच जुलाई 2023 में हस्ताक्षरित त्रिपक्षीय समझौते के माध्यम से शुरू की गई थी। परियोजना का वित्तपोषण संस्कृति मंत्रालय ने किया।नौसेना के एक अधिकारी ने बताया, यह जहाज पांचवीं शताब्दी ईस्वी के एक जहाज की तर्ज पर बनाया गया है और अजंता गुफाओं के एक चित्र से प्रेरित है।सितंबर 2023 में मास्टर शिपराइट बाबू शंकरन के नेतृत्व में कुशल कारीगरों की एक टीम ने पारंपरिक सिलाई विधि का उपयोग करके जहाज का निर्माण कार्य शुरू किया।कई महीनों तक, टीम ने जहाज के ढांचे पर लकड़ी की तख्तियों को नारियल की रेशमी रस्सी, नारियल के रेशे और प्राकृतिक रेजिन का उपयोग करके मेहनत से जोड़ा।

जहाज को फरवरी 2025 में गोवा के होडी शिपयार्ड में लांच किया गया। वर्षों तक निर्माण और अन्य तैयारियों के बाद, 29 दिसंबर को पश्चिमी नौसेना कमान के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ वाइस एडमिरल कृष्ण स्वामीनाथन ने भारत में ओमान के राजदूत ईसा सालेह अल शिबनी की उपस्थिति में इसपर ध्वजारोहण किया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, यह देखकर बेहद खुशी हुई कि आईएनएसवी कौंडिन्य पोरबंदर से मस्कट, ओमान के लिए अपनी पहली यात्रा पर निकल रहा है...खाड़ी क्षेत्र और उससे परे हमारे ऐतिहासिक संबंधों को पुनर्जीवित करते हुए, चालक दल को सुरक्षित और यादगार यात्रा के लिए मेरी ओर से शुभकामनाएं।

प्रदर्शन

देहरादून में सोमवार को पुलिसवालों ने उत्तराखंड महिला कांग्रेस प्रेसिडेंट ज्योति रौतेला और पार्टी वर्कर्स को ऋषिकेश रिसॉर्ट अंकिता भंडारी मर्डर केस में असरदार लोगों की गिरफ्तारी और सुप्रीम कोर्ट के जज की निगरानी में सीबीआई जांच की मांग को लेकर हो रहे विरोध प्रदर्शन के दौरान असेंबली स्पीकर रितु खंडूरी के घर की ओर मार्च करने से रोका।

यश की फिल्म में एलिजाबेथ बनकर छाईं हुमा कुरैशी

मुंबई/एजेन्सी

भारतीय सिनेमा में जब भी किसी बड़े स्टार की नई फिल्म का ऐलान होता है, तो दर्शकों की उत्सुकता अपने आप बढ़ जाती है। इस कड़ी में इन दिनों रॉकिंग स्टार यश की आने वाली फिल्म टॉक्सिक: ए फेयरीटेल फॉर ग्रोन-अप्स चर्चा में बनी हुई है। फिल्म के ऐलान के बाद से ही यह प्रोजेक्ट लगातार फैंस के बीच छाया हुआ है, और अब मेकर्स ने फिल्म से अभिनेत्री हुमा कुरैशी का फर्स्ट लुक जारी कर दिया है। फिल्म में हुमा कुरैशी एलिजाबेथ के किरदार में हैं। इस किरदार के लुक को भी मेकर्स ने बारीकी से तैयार किया है। उनका फर्स्ट लुक बेहद रहस्यमय, गंभीर और प्रभावशाली दिखाई दे रहा है। फिल्म में हुमा की एंट्री को एक अहम मोड़ माना जा रहा है। फिल्म की निर्देशक गीतू मोहनदास ने कहा, एलिजाबेथ का किरदार निभाने के लिए सही अभिनेत्री का चयन करना मेरे लिए सबसे चुनौतीपूर्ण काम था, क्योंकि यह किरदार सिर्फ अभिनय तक सीमित नहीं है। इसमें एक खास व्यक्तित्व, गहराई, और स्क्रीन पर मजबूत मौजूदगी की जरूरत है। हुमा कुरैशी के चयन को लेकर गीतू मोहनदास ने कहा, जैसे ही हुमा कैमरे के सामने आईं, मुझे उनमें कुछ अलग और खास लगा, जो इस किरदार के साथ पूरी तरह मेल खाता था। निर्देशक ने बताया, हुमा के अंदर एक स्वाभाविक ठहराव, शालीनता और तीव्रता है, जो एलिजाबेथ जैसे जटिल किरदार के लिए एकदम सही है। वह इस किरदार को बखूबी समझ रही हैं और बेहतर बनाने की भी कोशिश कर रही हैं। यह किरदार उनके करियर के लिए एक बड़ा मोड़ साबित होगा। इस फिल्म के बाद दर्शक हुमा को एक नए, ज्यादा मजबूत और प्रभावशाली रूप में देखेंगे, जो लंबे समय तक याद रखा जाएगा। फिल्म को यश और गीतू मोहनदास ने मिलकर लिखा है। फिल्म की तकनीकी टीम भी काफी मजबूत है। सिनेमैटोग्राफी की जिम्मेदारी नेशनल अवॉर्ड विजेता राजीव रवि ने संभाली है, जबकि संगीत मशहूर कंपोजर रवि बसरूर ने दिया है। यह फिल्म केवीएन प्रोडक्शंस और मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस के बैनर तले बनाई जा रही है और इसे वेंकट के. नारायण और यश ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म 19 मार्च 2026 को रिलीज होगी।

कार्तिक आर्यन की फ़िल्में मनोरंजन के साथ परोसती हैं सामाजिक रूप से प्रासंगिक कहानियां

मुंबई/एजेन्सी

पिछले कुछ वर्षों में कार्तिक आर्यन की फ़िल्मोग्राफी केवल पारंपरिक कमर्शियल सिनेमा तक सीमित नहीं रही है। रोमांस, कॉमेडी और ड्रामा के ज़रिये उनकी कई फ़िल्में सामाजिक चेतना, बदलते रिश्तों और आज के दौर के मूल्यों को संवेदनशीलता के साथ प्रतिबिंबित करती हैं। यही वजह है कि उनकी कहानियाँ दर्शकों से भावनात्मक रूप से जुड़ती हैं और सोचने पर मजबूर करती हैं। कार्तिक की हालिया रिलीज फ़िल्म 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' एक ताज़गीभरी और प्रगतिशील रोमांटिक ड्रामा के रूप में सामने आती है, जो शादी से जुड़े पारंपरिक विचारों को चुनौती देती है। फ़िल्म एक बेहद सरल लेकिन प्रभावशाली सवाल उठाती है, जैसे शादी के बाद हमेशा लड़की से ही घर छोड़ने की उम्मीद क्यों की जाती है? एक साहसी नैरेटिव विकल्प के तहत, कार्तिक आर्यन का किरदार शादी के बाद खुद अपने घर से निकलने का फ़ैसला करता है, जिससे वह अपने पार्टनर के साथ बराबरी की ज़िम्मेदारी साझा कर सके। समीक्षकों ने फ़िल्म की इस सामाजिक रूप से जागरूक सोच और आधुनिक दृष्टिकोण की सराहना की है। बिना उपदेश दिए, एक सहज प्रेम कहानी के माध्यम से स्त्रि-पुरुष समानता को सामान्य बनाना इसकी सबसे बड़ी ताक़त है। संवेदनशील और समझदार पुरुष किरदार के रूप में कार्तिक यह संदेश देते हैं कि असली बदलाव रोज़मर्रा के रिश्तों से ही शुरू होता है। 'भूल भुलैया 3' भले ही एक हॉरर-कॉमेडी के तौर पर प्रस्तुत की गई हो, लेकिन इसके भीतर एक गहरी सामाजिक टिप्पणी छिपी है। फ़िल्म क्वियर पहचान, विश्वासघात और स्वीकार्यता की ताक़त जैसे विषयों को छूती है।

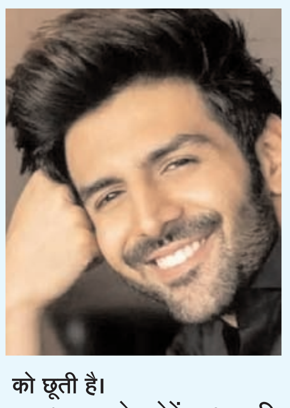

भूत बने देबेंद्रनाथ की बैकस्टोरी सामाजिक अस्वीकृति और दमन के दर्दनाक परिणामों को दिखाती है, जहाँ अपनी पहचान को नकारने की मजबूरी भावनात्मक विनाश का कारण बनती है। अलौकिक ढांचे के ज़रिये फ़िल्म डर और जजमेंट के बजाय सहानुभूति, समझ और स्वीकार्यता का संदेश देती है। 'सत्यप्रेम की कथा' सहमति, जेंडर-बेस्ड वायलेंस और यौन शोषण जैसे गंभीर और असहज विषयों को सीधे संबोधित करती है। फ़िल्म की सबसे बड़ी खासियत है पुरुष का संवेदनशील होना। कार्तिक आर्यन का किरदार, कियारा आडवाणी द्वारा निभाए गए महिला पात्र के साथ उसके ट्रॉमा और हीलिंग की यात्रा में मजबूती से खड़ा रहता है। यह कहानी सम्मान, संवाद और जवाबदेही की अहमियत को रेखांकित करती है और मर्दानगी की रूढ़िवादी धारणाओं को चुनौती देती है। 'लुका छुपी' छोटे शहरों में लिव-इन रिलेशनशिप जैसे विषय को हल्के-फुल्के हास्य और गर्मजोशी के साथ पेश करती है। शादी से पहले साथ रहने का फ़ैसला लेने वाला यह कपल जब अपने रूढ़िवादी परिवारों से इस सच्चाई को छुपाने की कोशिश करता है, तो कई मज़ेदार हालात पैदा होते हैं। लेकिन इस कॉमेडी के नीचे सामाजिक कलंक, पीढ़ियों के टकराव और रिश्तों को लेकर बदलती सोच की कहानी छुपी हुई है।

कार्तिक आर्यन के करियर की शुरुआत में आई 'आकाश वाणी' उनके सामाजिक रूप से सजग सिनेमा की शुरुआती झलक थी। फ़िल्म ने वैवाहिक बलात्कार, भावनात्मक शोषण और पारिवारिक दबाव जैसे विषयों को साहस के साथ उठाया। यह वो समय था, जब मुख्यधारा की फ़िल्मों में इन मुद्दों पर खुलकर बात कम होती थी। यह फ़िल्म एक ज़रूरी और निडर नैरेटिव चॉइस साबित हुई। इन सभी फ़िल्मों को एक साथ देखें तो कार्तिक आर्यन का सिनेमा एक ऐसे सफ़र को दर्शाता है, जहाँ मनोरंजन और सामाजिक सरोकार साथ-साथ चलते हैं। ऐसी कहानियाँ चुनकर जो संवाद और आत्ममंथन को जन्म देती हैं, वह यह साबित करते हैं कि लोकप्रिय सिनेमा न सिर्फ़ मनोरंजक हो सकता है, बल्कि अर्थपूर्ण और ज़िम्मेदार भी।

एफटीएस के सदस्यों ने की गौसेवा व गौपूजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। वनबंधु परिषद (एफटीएस) बेंगलूरु चैप्टर, महिला समिति एवं युवा समिति के संयुक्त तत्वावधान में त्रैमासिक कार्यक्रम 'सारथी' के तहत कोरमंगला गौशाला में गौ पूजा एवं कृष्ण पूजा संपन्न की गई । इस अवसर पर चैप्टर के अध्यक्ष हाथीमल बैद, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रमेश अग्रवाला, संरक्षक मुरारीलाल सारावगी, सुरेंद्रलाल गोयल, महिला समिति की अध्यक्ष कांता काबरा सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे। महिला समिति की सचिव अनिता जैन ने सभी का स्वागत किया। कार्यक्रम में हाथीमल बैद, कांता काबरा एवं युवा विंग के मेंटर आशीष गुप्ता ने संगठन के विभिन्न पहलों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में समाजसेवी एवं उद्योगपति बिपिनराम अग्रवाल उपस्थित थे। एफटीएस बेंगलूरु चैप्टर द्वारा उन्हें सामाजिक कल्याण एवं सामुदायिक सेवा में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। बिपिनराम अग्रवाल ने फ्रेंड्स ऑफ ट्राइबल्स सोसायटी की प्रयासों की सराहना करते हुए समावेशी विकास एवं करुणा-आधारित सेवा के प्रति निरंतर समर्पण बनाए रखने का आह्वान किया। अंत में विक्रम अग्रवाल ने धन्यवाद दिया। सदस्यों ने गौशाला में गायों की सेवा की तथा गायों को घास व गुड़ खिलाया। सदस्यों ने सहयोग राशि भी प्रदान की।

सीपीएस जूनियर कार्यशाला के दीक्षांत समारोह में 27 प्रतिभागी हुए शामिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ युवक परिषद के तत्वावधान में कॉन्फिडेन्ट पब्लिक स्पीकिंग (सीपीएस) अकादमी फॉर लीडरशिप एंड एक्सीलेंस के अंतर्गत सीपीएस जूनियर कार्यशाला का दीक्षांत समारोह विजयनगर स्थित तेरापंथ भवन में तेयुप के अध्यक्ष विकास बाँठिया की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। कार्यशाला में प्रशिक्षिका संगीता गन्ना एवं प्रीति धाकड़ ने 27 प्रतिभागियों को पब्लिक स्पीकिंग के विभिन्न गुर सिखाए।

रविवार को आयोजित दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में महेंद्र मुणोत, सीपीएस राष्ट्रीय प्रशिक्षक अरविन्द मांडोत, विशिष्ट अतिथि राजेश चावत, सुरेश मांडोत, तेयुप विजयनगर शाखा के प्रभारी आलोक छाजेड़ ने अपने विचारों से बच्चों को प्रोत्साहित किया।

अंत में सभी प्रतिभागी बच्चों को सर्टिफिकेट एवं उपहार दिए गए। इस कार्यशाला के प्रायोजक ममता-राजेश चावत परिवार एवं सह प्रायोजक विजयसिंह, राजकुमार बैद परिवार का सम्मान किया गया। इस अवसर पर अभातेयुप सहित अनेक सभा संस्थाओं के पदाधिकारी उपस्थित थे। सहमंत्री मनीष चावत ने धन्यवाद दिया।

जीतो मैसूरु लेडीज़ विंग की सदस्याओं ने बौद्धिक दिव्यांग बच्चों का किया मनोरंजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। जीतो मैसूरु लेडीज़ विंग द्वारा रविवार को आरसी स्पोर्ट्स क्लब में एक विशेष स्पोर्ट्स डे का आयोजन किया गया जिसमें दो विद्यालयों के 150 बौद्धिक दिव्यांग बच्चों के सशक्तिकरण हेतु दौड़, कबड्डी, क्रिकेट, बैडमिंटन, नींबू-चम्मच रेस, म्यूज़िकल चेयर, कैरम बोर्ड सहित अनेक इन्डोर खेलों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित पूर्व सांसद प्रताप सिम्हा ने किया।

जीतो लेडीज़ विंग की चेयरपर्सन मोना भटेवारा ने स्वागत किया। जीतो मैसूरु के चेयरमैन विनोद बाकलीवाल ने अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन मुख्य सचिव रजनी डागलिया ने किया। जीतो मैसूरु के मुख्य सचिव गौतम सालेचा ने धन्यवाद दिया।

बैठक सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के जीतो स्वयम-जेबीएन वी कनेक्ट महिला व्यवसाय समूह की 5वें कार्यकाल की 5वीं बैठक जीतो नॉर्थ कार्यालय में महिला विंग की अध्यक्ष लक्ष्मी बाफना के मार्गदर्शन में हुई। महामंत्री रक्षा छाजेड़ सहित संयोजिका तनुजा मेहता ने व्यवस्था संभाली। अनेक सदस्याओं ने अपने व्यापार का प्रजेन्टेशन दिया। लुक्स एन नेल्स की संस्थापिका पायल वर्धमान ने नेल आर्ट विषय पर नेल एक्सटेंशन, प्रेस-ऑन नेल्स सहित विभिन्न प्रकार के नेल आर्ट के बारे में जानकारी दी। एजुकेशनल स्लॉट में पिंकी मेहता ने बताया कि यह मंच सभी सदस्यों को स्पष्टता प्रदान करता है तथा समान विकास अवसर सुनिश्चित करता है। कार्यक्रम के अंतर्गत डोर प्राइज़ भी प्रदान किए गए।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक
www.dakshinbharat.com

'बाबा गंगाराम कल्याण महोत्सव' में बाबा गंगाराम का हुआ गुणगान

'पंचदेवों' के अलौकिक दरबार में हुई गंगा आरती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के पैलेस ग्राउंड स्थित एक सभागार में रविवार को श्री बाबा गंगाराम सेवा समिति के तत्वावधान में झुंझुनू वाले विष्णु अवतारी श्री बाबा गंगाराम के 26वें वार्षिकोत्सव का अलौकिक आयोजन किया गया। महोत्सव में कोलकाता के विशेष कारीगरों द्वारा पंचदेवों सहित बाबा गंगाराम की पुष्प सज्जित झांकी सजाई गई जिसने श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। महोत्सव का शुभारंभ पंडित के मार्गदर्शन में अग्रवाल समाज के उपाध्यक्ष एवं इंडिया गोल्ड टीएमटी के चेयरमैन संजय जालान के हाथों अखंड ज्योत प्रज्वलित की गई।ङ्क महोत्सव का मुख्य आकर्षण 'इंडियाज गॉट टैलेंट एंव एशियाज गॉट टैलेंट फेम विश्वविख्यात कलाकार नितीश भारती की रेत कला प्रस्तुति रही। भारती ने झुंझुनू स्थित श्री पंचदेव मंदिर की पवित्र रज से भगवान श्री बाबा गंगारामजी की जीवनगाथा को रेत पर सजीव रूप में उकेरा। कार्यक्रम की दिव्यता में चार चाँद लगाते हुए विशेष रूप से वाराणसी से आए विद्वान पंडितों ने पारंपरिक विश्वप्रसिद्ध गंगा आरती का आयोजन किया। दीप प्रज्वलन का पुण्य कार्य कृष्णा गौशाला के संत पुखराज महाराज ने किया। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की श्रृंखला में कोलकाता से आमंत्रित गायक नवीन जोशी एवं पवन शर्मा ने भजनों की मधुर प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। इस अवसर पर भक्तों के जयकारों से पूरा सभागार गूंज उठा और वातावरण भक्तिमय हो गया।

समिति के अध्यक्ष गौरीशंकर गुप्ता ने सभी का स्वागत करते हुए बताया कि राजस्थान में झुंझुनू स्थित श्री पंचदेव मंदिर विश्वविख्यात है, जहाँ विष्णु अवतारी बाबा गंगाराम के साथ शिव परिवार, माता लक्ष्मी, हनुमानजी और माँ दुर्गा विराजमान हैं। मंदिर परिसर में संगमरमर से निर्मित आशीर्वाद मंदिर भी श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है। बाबा गंगाराम के अनगिनत चमत्कारों की गाथा देश-विदेश में गाई जाती है और प्रतिवर्ष लाखों श्रद्धालु यहाँ दर्शन हेतु पधारते हैं। महोत्सव में अग्रवाल समाज के सचिव सतीश गोयल, दादी धाम प्रचार समिति के अध्यक्ष शिवकुमार टेकड़ीवाल, कर्नाटक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष सीताराम अग्रवाल, नारायणी दादी परिवार के महेश अग्रवाल, जीण दीवाने के राजकुमार अग्रवाल, कर्नाटक सरकार के पूर्व मुख्य सचिव एवं एयर इंडिया के पूर्व सीएमडी अरविंद जाधव, भोपाल के डीआईजी वीरेंद्र मिश्रा, हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड के पूर्व निदेशक एनसी अग्रवाल, सुरेश कुमार मोदी, रमेश भाउवाला, दर्शन कुमार सहित अनेक धार्मिक व सामाजिक संस्थाओं के गणमान्य सदस्य उपस्थित थे। उपस्थित सभी श्रद्धालुओं को नववर्ष कैलेंडर, धार्मिक साहित्य और झुंझुनू मंदिर की पवित्र रज भेंट स्वरूप प्रदान की गई। समिति की ओर से सभी आमंत्रित कलाकारों एवं अतिथियों का सम्मान किया गया। सचिव मनीष अग्रवाल ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

श्याम मंदिर के वार्षिकोत्सव पर निकली निशान यात्रा और आयोजित हुई भजन संध्या

सुन्दरकांड पाठ व श्याम भजन संध्या में उमड़े श्रद्धालु

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। श्याम मंदिर ट्रस्ट के तत्वावधान में शहर के बन्नरघट्टा रोड स्थित श्याम मन्दिर के 13वें वार्षिकोत्सव पर शनिवार व रविवार को दो दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पहले दिन शनिवार को सायं 3.15 से मंदिर प्रांगण में संगीतमय सुन्दरकाण्ड पाठ का वाचन पंडित शम्भूदयाल पारीक द्वारा किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सुन्दरकांड पाठ किया। दूसरे दिन सबसे पहले चंद्रप्रकाश रामसिसरिया गौशाला में प्रातः 9 विद्वान पण्डितों द्वारा विधिवत रूप से निशान पूजन किया गया। सुबह 11 बजे से श्याम मंदिर बन्नरघट्टा के लिए पैदल निशान यात्रा आयोजित की गई। श्रद्धालुओं ने श्याम मंदिर पहुंच कर बाबा श्याम को निशान अर्पण किए। इस निशान यात्रा में मंदिर की ओर से श्याम बाबा व हनुमानजी के दो निशान व अनेक चांदी के निशान शामिल हुए, इसके अलावा 501 निशान लेकर सैंकड़ों श्रद्धालु भी शामिल हुए। ङ्कङ्क निशान यात्रा के बाद शाम 3 बजे से मंदिर प्रांगण में भजन संध्या का आयोजन किया गया जिसमें कोलकाता से आए मुख्य भजन गायक रोहित शर्मा (जिम्मी) व झरिया ने आए भजन गायक कृष्णा अग्रवाल सहित अनेक स्थानीय भजन गायकों ने श्याम बाबा के भजनों की प्रस्तुति देकर पूरे मंदिर प्रांगण को श्याममय बना दिया। भजन कलाकारों द्वारा प्रस्तुत बाबा श्याम व अन्य देवी देवताओं के मधुर भजनों पर उपस्थित पुरुष व महिला श्रद्धालुओं ने नाचकर झूमकर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। मंदिर कमेटी द्वारा खाटू धाम से आए प्रतापसिंह चौहान व अन्य भजन गायकों का सम्मान किया गया। महोत्सव के मौके पर मंदिर में बाबा श्याम की प्रतिमा का ताजे व रंगीन फूलों से विशेष श्रृंगार किया गया। सभी भक्तों ने कतारबद्ध होकर बाबा की मनोहारी प्रतिमा के दर्शन किए। पूरे मंदिर परिसर को रंग बिरंगी रोशनी से सजाया गया। मंदिर के प्रांगण में सुबह से ही बड़ी संख्या में श्याम भक्त उपस्थित थे। इस अवसर पर मंदिर के संस्थापक सदस्य महेश गुप्ता, रेवन्तमल झंवर, देवीलाल गोयल, किशोरीलाल मोहता, प्रभात किशनपुरिया, ऋषि गुप्ता, सुशील राणासरिया सहित अनेक ट्रस्टीगण व सदस्य उपस्थित थे। महोत्सव में बेंगलूरु पुलिस आयुक्त सीमांत कुमार सिंह और पूर्व डीजीपी श्रीवास्तव ने भी बाबा श्याम के दर्शन किए। इसके अग्रवाल समाज के अध्यक्ष सुभाष बंसल सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे। मंच का संचालन करते हुए प्रभात किशनपुरिया ने सभी भक्तों का आभार प्रकट किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कृत्रिम अंग वितरण शिविर

बेंगलूरु के कर्नाटक मारवाड़ी समाज की ओर से आयोजित निःशुल्क कृत्रिम अंग वितरण शिविर में चयनित 124 से अधिक ज़रूरतमंद लाभार्थियों को कृत्रिम अंग प्रदान किए गए। समाज के अध्यक्ष प्रवीण तुलस्यान व सचिव मोहित तुलस्यान ने शिविर की जानकारी दी। इस मौके पर कर्नाटक पुलिस महानिदेशक उमेश कुमार मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि के रूप में वरिष्ठ भाजपा नेता एनआर रमेश एवं ईएनटी सर्जन डॉ. आलोक बांका उपस्थित थे। कोषाध्यक्ष राकेश जिंदल ने धन्यवाद दिया।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**